मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा
रांची, शुक्रवार, 29 मई 2026
संवत 2083, अधिक ज्येष्ठ शुक्ल 13 मूल्य-3 रुपये
वर्ष-9, अंक 254, पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028
सांध्य दैनिक

4 ▶▶ अमेरिका-ईरान युद्ध से महंगाई के कारण आमजन प्रभावित

कान्स 2026 में ऐश्वर्या राय ने बिखेरा जलवा ◀◀ 6

झारखंड से जुड़े केस की सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने कहा-

सभी हाईकोर्ट को फैसला सुरक्षित रखने के 3 महीने के भीतर सुनाना होगा निर्णय

मेट्रो रेज

रांची/ नई दिल्ली: देश की अदालतों में फैसलों में होने वाली देरी को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने एक बेहद अहम और ऐतिहासिक रुख अपनाया है। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण आदेश जारी करते हुए कहा है कि किसी भी हाई कोर्ट द्वारा फैसला सुरक्षित रखे जाने के अधिकतम तीन महीने के भीतर निर्णय सामान्यतः सुना दिया जाना चाहिए।

फैसलों में देरी पर सख्त सुप्रीम कोर्टः शीर्ष अदालत ने यह भी कहा है कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता से जुड़े मामलों में यह समय सीमा और भी कम होगी। यह कड़ा निर्देश सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्य कांत, जस्टिस जोयमाल्य बागची और जस्टिस विपिन एम। पांचोली की पीठ ने पीला पाहन बनाम झारखंड राज्य के मामले की सुनवाई करते हुए दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि ये निर्देश किसी न्यायाधीश या अदालत पर आक्षेप नहीं हैं बल्कि न्याय में देरी को रोकने के लिए उठाए गए सुधारात्मक कदम है।

सुप्रीम कोर्ट ने तय किया 3 महीने का नियम : कोर्ट ने कहा है

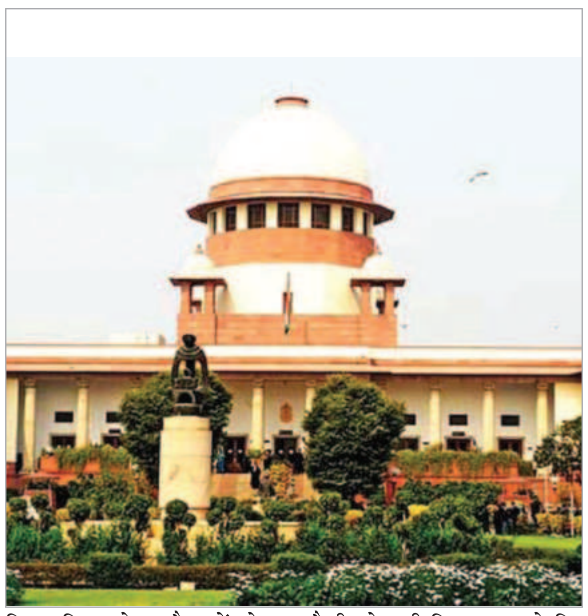

कि सुरक्षित रखे गए फैसलों को 3 महीने के भीतर सुनाना अनिवार्य होगा।यदि ऐसा नहीं होता है तो रजिस्ट्रार जनरल मामला मुख्य न्यायाधीश के समक्ष रखेंगे जो 2 सप्ताह का अतिरिक्त समय दे सकते हैं। इसके बाद भी देरी होने पर मामला दूसरी बेंच को सौंप दिया जाएगा। जमानत याचिकाओं पर आदेश उसी दिन या अगले दिन तक आ जाना चाहिए।साथ ही जमानत आदेश उसी दिन जेल अधिकारियों को भेजे जाएं ताकि कैदी को उसी दिन या अगले दिन तक रिहा किया जा सके। अगर कोर्ट केवल आदेश का मुख्य हिस्सा सुनाता है तो विस्तृत फैसला 7 दिनों के भीतर वेबसाइट पर अपलोड करना होगा।

3 महीने बाद दूसरी बेंच को जाएगा मामला : 30 दिनों तक कारण अपलोड नहीं किए जाते हैं तो मामले को दूसरी बेंच में ले जाने के लिए आवेदन किया जा सकता है। बहस पूरी होने के बाद फैसला सुरक्षित रखने की तारीख हाई कोर्ट की वेबसाइट पर दर्ज होनी चाहिए। यह फैसला झारखंड हाई कोर्ट में दिसंबर 2025 से एक फैसला सुरक्षित होने के बावजूद अपलोड न होने के बाद सुप्रीम कोर्ट के समक्ष आया है। सीजेआई सूर्य कांत ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि उनके 15 साल के कार्यकाल में कभी भी कोई फैसला 3 महीने से ज्यादा लंबित नहीं रहा। कोर्ट ने साफ कर दिया है कि न्याय की कीमत पर फैसलों में ऐसी देरी अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

पूरे देश में होगा एक ही एमरजेंसी नंबर

सुप्रीम कोर्ट ने तीन महीने में 112 नंबर लागू करने को कहा

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को तीन महीने के अंदर एमरजेंसी में सिर्फ एक हेल्पलाइन नंबर 112 चालू करने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने ट्रॉमा केयर के लिए हेल्पलाइन नंबर 112 चालू करने के साथ-साथ नेक मददगारों के लिए शिकायत निवारण प्रणाली स्थापित करने के भी निर्देश दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस एएस चंदुरकर की बैंच ने सेव लाइफ फाउंडेशन की याचिका पर सुनवाई के दौरान जारी आदेश में राज्यों से यह भी कहा है कि मासिक बैठक बुलाकर तब तक की अनुपालन रिपोर्ट जमा करें और संबंधित पोर्टल पर उससे जुड़े ब्योरे भी अपलोड करें। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जब एक व्यक्ति किसी दुर्घटना का शिकार होता है या इसी तरह की किसी और घटना का सामना करता है, तो ट्रॉमा या तत्काल मेडिकल केयर की जरूरत होती है। आमतौर पर वे सदमे में होते हैं और बेबस महसूस कर रहे होते हैं।

तब उन्हें यही उम्मीद होती है कि उनके आसपास मौजूद लोग उनकी सहायता के लिए आगे आएंगे और उन्हें जिस तरह की मेडिकल देखभाल की जरूरत है, वह दिलानें में पूरी मदद करेंगे। ऐसी स्थिति में मेडिकल सहायता या ट्रॉमा केयर के बिना गुजारा गया प्रत्येक मिनट बचने की संभावना कम कर देता है।

तत्परता, सही मायने में दवा की तरह है। इन बाधाओं के समाधान के लिए जिस चीज की जरूरत है, वह है व्यवस्थित हस्तक्षेप, ट्रॉमा केयर के लिए यूनिफॉर्म फ्रेमवर्क तैयार करना, जन जागरूकता का निर्माण, प्राथमिक चिकित्सा कौशल का मानकीकरण और उचित नेक मददगार (गुड समैरिटन) कानून, क्योंकि नागरिकों के लिए ट्रॉमा केयर का अधिकार, भारत के संविधान के आर्टिकल 21 के तहत मिला जीवन के अधिकार का एक अभिन्न अंग है।

यूपी में बड़ा हादसा : तेज तूफान से निर्माणाधीन पुल गिरा, 6 मजदूरों की मौत, कई लोग मलबे में दबे

एजेंसी

हमीरपुर : उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में बड़ा हादसा हो गया। भीषण तूफान के कारण निर्माणाधीन पुल का एक हिस्सा ढह गया, जिससे मलबे के नीचे दबकर छह मजदूरों की मौत हो गई। कई अन्य लोगों के फंसे होने की आशंका है। पुलिस बल और स्थानीय निवासी घटनास्थल पर बचाव अभियान चला रहे हैं।

हमीरपुर के एएसपी अरविंद कुमार वर्मा ने बताया, 28 और 29 मई की मध्यरात्रि करीब 2 बजे सूचना मिली कि थाना लालपुर क्षेत्र के मोराकंदर और कुरारा की मवाईजार को जोड़ने के लिए बन रहे पुल का स्लैब गिर गया है, जिसके नीचे कुछ लोग दब गए हैं। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और हम सभी तत्काल मौके पर पहुंच गए। अभी तीन लोग खंभे पर फंसे हुए हैं। उन्हें बचाने के लिए एसडीआरएफ और हमारी टीम लगातार प्रयास कर रही है। छह लोगों के मलबे में दबे होने की सूचना है, जिनमें से पांच लोगों की पहचान कर ली गई है। स्लैब हटाकर उन्हें बाहर निकाला जाएगा।

जानकारी के मुताबिक, बेतवा नदी पर निर्माणाधीन पुल का एक बड़ा हिस्सा ढह गया। हादसे के

समय पुल के नीचे कई मजदूर सो रहे थे, जो मलबे में दब गए। मृतकों में बांदा और हमीरपुर जनपद के मजदूर शामिल बताए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि इस पुल का निर्माण राज्यसभा सांसद बाबूराम निषाद के प्रयासों से कराया जा रहा था।

अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्यों का निरीक्षण किया है। फिलहाल प्राथमिकता मलबे में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने की है। हादसे के कारणों की जांच के लिए तकनीकी टीम को भी बुलाया जा रहा है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि पुल की गुणवत्ता में कोई कमी थी या उसके ढहने के पीछे कोई अन्य वजह थी। मलबे में दबे लोगों को निकालने का कार्य युद्धस्तर पर जारी है। घटनास्थल पर बड़ी संख्या में लोग मौजूद हैं और पुलिस-प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर डटे हुए हैं। प्रशासन मृतकों और घायलों की पहचान करने का प्रयास कर रहा है।

यूपी-महाराष्ट्र समेत चार राज्यों के 12 ठिकानों पर एनआईए की छापेमारी

एजेंसी

नई दिल्ली: राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने एक बड़े आतंकी नेटवर्क के खिलाफ देशभर में व्यापक कार्रवाई शुरू की है। एजेंसी उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार और महाराष्ट्र में कुल 12 स्थानों पर एक साथ छापेमारी कर रही है। यह कार्रवाई उस मामले से जुड़ी है जिसमें पाकिस्तान से जुड़े एक ऑपरेटिव जसवीर चौधरी और उसके भारतीय सहयोगियों पर ड्रोन के जरिए हथियार, गोला-बारूद और आईईडी की बड़ी खेप भारत में भेजने का आरोप है। 4 राज्यों में एक साथ 12 ठिकानों पर छापेः एनआईए की टीमें यूपी में 5, राजस्थान में 2, बिहार में 2 और महाराष्ट्र में 3 स्थानों पर तलाशी अभियान चला

रही हैं। इस दौरान डिजिटल उपकरण, दस्तावेज और संदिग्ध सामग्री की जांच की जा रही है। जांच एजेंसियों के अनुसार, यह नेटवर्क भारत-पाकिस्तान सीमा के जरिए ड्रोन का इस्तेमाल कर हथियार और विस्फोटक सामग्री की तस्करी कर रहा था। इन हथियारों का उद्देश्य पंजाब, दिल्ली और देश के अन्य हिस्सों में बड़े हमलों को अंजाम देना बताया जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि इस साजिश का मकसद आम नागरिकों की जान-माल को नुकसान पहुंचाना और देश में दहशत फैलाना था।

सिरसा ग्रेनेड हमला मामले में भी एनआईए की बड़ी कार्रवाईः इसी बीच एनआईए ने हरियाणा के सिरसा महिला थाना ग्रेनेड हमले मामले में भी बड़ी कार्रवाई की है। एजेंसी ने इस केस में दो पाकिस्तानी नागरिकों समेत नौ आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। जांच में खुलासा हुआ है कि पाकिस्तान स्थित गैंगस्टर से आतंकी बने शाहजाद भट्टी के इशारे पर भारत में पुलिस ठिकानों को निशाना बनाने की साजिश रची गई थी। आरोपियों पर गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए), भारतीय न्याय संहिता और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का बड़ा बयान

ईरान-अमेरिका समझौता करीब लेकिन अभी पूरी नहीं हुई है डील

एजेंसी

वॉशिंगटन/तेहरान: अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव और संघर्ष को समाप्त करने के लिए चल रही बातचीत अंतिम चरण में पहुंचती दिख रही है। हालांकि, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने स्पष्ट किया है कि दोनों देशों के बीच अभी कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों पर सहमति बनना बाकी है। पत्रकारों से बातचीत में वेंस ने कहा कि यूरेनियम संवर्धन समेत कई अहम विषयों पर चर्चा जारी है। उन्होंने कहा, हम अभी अंतिम समझौते तक नहीं पहुंचे हैं, लेकिन

काफी करीब हैं और वार्ता आगे बढ़ रही है। उन्होंने दावा किया कि समझौता होने पर होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह खोला जा सकेगा। वेंस के अनुसार, अमेरिका ईरान की पारंपरिक सैन्य क्षमताओं को काफी कमजोर कर चुका है और उसके परमाणु कार्यक्रम को लंबे समय तक पीछे धकेलने की स्थिति में है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक प्रस्तावित समझौते में मौजूदा युद्धविराम को 60 दिनों तक बढ़ाने और ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर औपचारिक वार्ता शुरू करने की योजना शामिल है। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि समझौते की रूपरेखा तैयार हो चुकी है, लेकिन इसे अमेरिकी राष्ट्रपति और ईरानी नेतृत्व की मंजूरी मिलना बाकी है।

हालांकि, ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी ने इन दावों का खंडन करते हुए कहा है कि किसी भी समझौते को अंतिम रूप नहीं दिया गया है। अमेरिका लंबे समय से ईरान से उच्च स्तर के संवर्धित यूरेनियम के उत्पादन और उसके भंडार को समाप्त करने की मांग करता रहा है। वाशिंगटन का मानना है कि इस सामग्री का उपयोग परमाणु हथियार बनाने में किया जा सकता है। रिपोर्टों के अनुसार, संभावित समझौते में होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने का प्रावधान भी शामिल हो सकता है। इसके तहत ईरान को 30 दिनों के भीतर समुद्री मार्ग में बिछाई गई बारूदी सुरंगों को हटाना होगा। बदले में अमेरिका कुछ प्रतिबंधों में राहत देकर ईरान के तेल निर्यात को फिर से शुरू करने की अनुमति दे सकता है। इस बीच, ईरान के सरकारी मीडिया में 14 बिंदुओं वाले कथित समझौता मसौदे की चर्चा भी सामने आई, जिसमें अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी हटाने और क्षेत्र से अमेरिकी बलों की वापसी जैसे प्रावधान बताए गए। समझौते की बातचीत के बीच दोनों देशों ने एक-दूसरे पर युद्धविराम उल्लंघन के आरोप लगाए हैं।

घुसपैठिए खुद लौट गए तो कोई केस नहीं वरना... अमित शाह की सख्त चेतावनी

एजेंसी

नई दिल्ली: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अहमदाबाद में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान अवैध बांग्लादेशी घुसपैठ के मुद्दे पर कड़ा रुख अपनाते हुए बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि देश में अवैध रूप से रह रहे घुसपैठिए स्वेच्छा से वापस लौट जाएं, अन्यथा उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अवैध घुसपैठ बर्दाश्त नहीं: अमित शाह ने कहा कि केंद्र सरकार देश की सुरक्षा और जनसांख्यिकीय संतुलन से जुड़े मुद्दों पर पूरी गंभीरता से काम कर रही है। उन्होंने दावा किया कि अब हालात ऐसे बन रहे हैं कि अवैध तरीके से भारत में प्रवेश करने वाले लोग खुद ही वापस लौटने लगे हैं।

उन्होंने कहा कि पहले सीमावर्ती इलाकों में लगातार घुसपैठ की खबरें आती थीं, लेकिन अब प्रशासनिक सख्ती और पहचान अभियान के कारण स्थिति बदल रही है। गृह मंत्री ने

यह भी कहा कि यदि अवैध रूप से रह रहे लोग स्वेच्छा से वापस चले जाते हैं, तो प्रक्रिया को मानवीय तरीके से पूरा किया जाएगा। बंगाल में कार्रवाई तेजः गृह मंत्री ने पश्चिम बंगाल में चल रही कार्रवाई का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य में अवैध घुसपैठियों की पहचान और निगरानी के लिए सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सीमा क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जा रही है और घुसपैठ रोकने के लिए कई नए इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र सरकार का उद्देश्य देश में अवैध रूप से रह रहे हर व्यक्ति की पहचान कर कानून के अनुसार कार्रवाई करना है। सीमा फेंसिंग पर जोरः अमित शाह ने बांग्लादेश सीमा पर फेंसिंग कार्य को लेकर भी बयान दिया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार लंबे समय से लंबित सीमा सुरक्षा परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने में जुटी है।

उन्होंने दावा किया कि पश्चिम बंगाल सरकार ने हाल ही में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को बड़ी मात्रा में जमीन उपलब्ध कराई है, जिससे सीमा पर बाड़बंदी का काम तेज किया जा सकेगा। शाह के अनुसार, कुछ ही दिनों में सैकड़ों हेक्टेयर भूमि बीएसएफ को सौंपी गई है, जिससे सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने में मदद मिलेगी। जनसांख्यिकीय बदलाव पर चिंताः गृह मंत्री ने कहा कि देश में अवैध घुसपैठ और जनसांख्यिकीय परिवर्तन को लेकर केंद्र सरकार बेहद गंभीर है। उन्होंने बताया कि इस विषय पर उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया है, जो सीमावर्ती राज्यों की स्थिति और सुरक्षा पहलुओं की समीक्षा कर रही है। उन्होंने दोहराया कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मामलों में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सरकार अवैध घुसपैठ रोकने के लिए हर जरूरी कदम उठाती रहेगी।

पंजाब निकाय चुनावः आप के काम पर जनता की मुहर

200+ वार्ड जीतकर विपक्ष को किया क्लीन स्वीप

नई दिल्ली : पंजाब में आठ नगर निगमों सहित 103 नगर निकायों के चुनावों के लिए मतगणना आज सुबह 8 बजे शुरू हुई। आठ नगर निगमों, 75 नगर परिषदों और 20 नगर पंचायतों के चुनाव मंगलवार (26 मई) को हुए थे। इन आठ नगर निगमों में मोहाली, बठिंडा, अबोहर, बरनाला, कपूरथला, मोगा, बटाला और पठानकोट शामिल हैं। कुल 7,555 उम्मीदवार मैदान में थे। सत्ताधारी आम आदमी पार्टी (आप) ने सबसे अधिक 1,801 उम्मीदवार उतारे, उसके बाद कांग्रेस के 1,550, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 1,316, शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) के 1,251 और बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) के 96 उम्मीदवार थे। इसके अलावा, स्थानीय निकाय चुनावों में 1,528 निर्दलीय उम्मीदवार भी थे। अधिकारियों ने बताया कि पंजाब में शहरी स्थानीय निकाय चुनावों में लगभग 64 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जो हिंसा, पत्थरबाजी, झड़पों, राजनीतिक कार्यकर्ताओं पर हमलों और बूथ कैप्चरिंग के आरोपों से प्रभावित रहे। ये स्थानीय निकाय चुनाव सभी प्रमुख राजनीतिक दलों – आम आदमी पार्टी, भाजपा, कांग्रेस और एसएडी – के लिए महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं, क्योंकि ये 2027 के पंजाब विधानसभा चुनावों से पहले हो रहे हैं।

महाराष्ट्र में जहरीली शराब पीने से 16 लोगों की मौत, मचा हड़कंप

एजेंसी

मुंबई : महाराष्ट्र के पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ में 16 लोगों की मौत के बाद हड़कंप मच गया है। स्थानीय लोगों के बीच इन मौतों को जहरीली शराब से जोड़कर देखा जा रहा है, हालांकि पुलिस ने फिलहाल इस दावे से इनकार किया है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौतों की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी। मामले की जांच जारी है। जानकारी के मुताबिक, पुणे-मुंबई हाईवे स्थित पिंपरी-चिंचवड़ के फुगेवाड़ी इलाके में एक ही दिन में 7 लोगों की मौत हुई थी। इसके बाद 4 और लोगों की जान चली गई। वहीं पुणे शहर में पहले 3 मौतें सामने आई थीं, जिनकी संख्या अब बढ़कर 5 हो गई है। कुछ अन्य लोगों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज जारी है।

फुगेवाड़ी क्षेत्र में अवैध हाथभट्टी और देसी शराब के अड्डों के संचालन को लेकर स्थानीय नागरिकों में नाराजगी है। लोगों के बीच चर्चा है कि मौतों के पीछे जहरीली शराब हो

सकती है। हालांकि, दापोडी पुलिस ने इन दावों को अफवाह बताते हुए कहा है कि शुरूआती जांच में सभी मौतें अलग-अलग कारणों से हुई प्रतीत होती हैं।

पुलिस का दावा है कि शुरूआती 5 मृतकों में से 4 को शराब की लत नहीं थी। अब तक किसी भी परिजन ने जहरीली शराब को लेकर शिकायत दर्ज नहीं कराई है। बाद में आनंद काशीनाथ निकालजे और आनंद पांडेराव देसाई की भी मौत हुई, जिनके मामलों की जांच जारी है। इसके अलावा पिंपरी-चिंचवड़ में 4 अन्य मौतों की वजह भी अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है। उधर, पुणे शहर में हुई 5 मौतों को लेकर भी स्थानीय लोगों ने जहरीली शराब की आशंका जताई है। मृतक कालेपडल और हडपसर थाना क्षेत्र के निवासी बताए गए हैं। सभी में उल्टी और तेज पेट दर्द जैसे समान लक्षण पाए गए थे। पुणे पुलिस का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही आधिकारिक तौर पर मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

वैज्ञानिक तरीके से मत्स्य उत्पादन मछुआरों की समृद्धि में सहायक : अमरेंद्र कुमार

झारखंड के जलाशयों में मत्स्य शिकार तकनीकों का सर्वेक्षण संपन्न

मेट्रो रेज संवाददाता

रांची/मुंबईः झारखंड राज्य के प्रमुख जलाशयों में मत्स्य शिकार की वर्तमान स्थिति, मछुआरों द्वारा उपयोग की जा रही पारंपरिक मछली पकड़ने की तकनीकों तथा भविष्य में उन्नत मत्स्य प्रौद्योगिकी के उपयोग की संभावनाओं के आकलन हेतु 26 से 28 मई, 2026 तक झारखंड के प्रमुख जलाशयों का क्षेत्रीय सर्वेक्षण किया गया। यह सर्वेक्षण डॉ.श्रवण कुमार शर्मा, वैज्ञानिक, (भाकृअनुप) केन्द्रीय मात्स्यिकी प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई अनुसंधान केंद्र द्वारा किया गया।

सर्वेक्षण के अंतर्गत गेतलसूद, तेनुघाट, कांके, हटिया, मैथन एवं पंचेत जलाशयों का भ्रमण किया गया। भ्रमण के दौरान जलाशयों में उपलब्ध मत्स्य संसाधनों, मछली पकड़ने की वर्तमान पद्धतियों, उपयोग किए जा रहे मत्स्य जालों, नावों, मत्स्य शिकार की चुनौतियों तथा स्थानीय मछुआरों की प्रशिक्षण संबंधी आवश्यकताओं का अध्ययन किया गया। विभिन्न स्थलों पर मछुआरों, मत्स्य सहकारी समितियों तथा स्थानीय हितधारकों से चर्चा कर जलाशय आधारित मत्स्यिकी की व्यावहारिक समस्याओं और संभावित तकनीकी समाधानों की जानकारी प्राप्त की गई।

झारखंड के जलाशयों में मत्स्य उत्पादन की पर्याप्त संभावनाएं

सर्वेक्षण में यह पाया गया कि झारखंड के जलाशयों में मत्स्य उत्पादन की पर्याप्त संभावनाएं उपलब्ध हैं, परंतु उन्नत एवं वैज्ञानिक मत्स्य शिकार तकनीकों, उपयुक्त मत्स्य जालों, सुरक्षित एवं ऊर्जा दक्ष नावों तथा आधुनिक प्रशिक्षण की आवश्यकता है। जलाशयों की भौगोलिक स्थिति, जल की गहराई और स्थानीय परिस्थितियों को देखते हुए क्षेत्र विशेष के अनुरूप मत्स्य शिकार तकनीकों को अपनाने की आवश्यकता महसूस की गई। सर्वेक्षण के आधार पर झारखंड के मछुआरों के लिए उन्नत एवं आधुनिक मत्स्य प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ करने की योजना बनाई जाएगी। प्रशिक्षण में वैज्ञानिक तरीके से मछली पकड़ने की तकनीक, बेहतर एवं चयनात्मक मत्स्य जालों का उपयोग, जलाशय मत्स्यिकी के लिए उपयुक्त नावों का संचालन, ऊर्जा दक्ष तथा पर्यावरण अनुकूल विद्युत एवं सौर ऊर्जा आधारित मछली पकड़ने वाली नावों की जानकारी, मछली पकड़ने के दौरान सुरक्षा उपाय तथा मत्स्य संसाधनों के सतत उपयोग पर विशेष बल दिया जाएगा।

भविष्य में झारखंड के चयनित जलाशयों में उन्नत मत्स्य जालों, आधुनिक मत्स्य शिकार तकनीकों तथा विद्युत एवं सौर ऊर्जा आधारित मछली पकड़ने वाली नावों के प्रदर्शन एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए जाने का प्रस्ताव है। इसका उद्देश्य मछुआरों की आय में वृद्धि, ईंधन खर्च में कमी, मत्स्य शिकार की दक्षता में सुधार तथा जलाशय मत्स्यिकी को अधिक टिकाऊ एवं पर्यावरण अनुकूल बनाना है।

इस संबंध में अमरेन्द्र कुमार, (निदेशक मत्स्य) ने बताया कि झारखंड के जलाशयों में वैज्ञानिक तरीकों, उपयुक्त प्रशिक्षण और उन्नत मत्स्य उपकरणों के माध्यम से मत्स्य उत्पादन एवं मछुआरों की आजीविका में उल्लेखनीय सुधार किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि स्थानीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए भा.कृ.अनु.प -केन्द्रीय मात्स्यिकी प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा बेहतर मत्स्य प्रौद्योगिकियों के प्रसार और प्रशिक्षण कार्यक्रमों को आगे बढ़ाया जाएगा।

डा. श्रवण शर्मा ने बताया कि यह सर्वेक्षण झारखंड राज्य में जलाशय आधारित मत्स्यिकी के विकास, मछुआरों की क्षमता निर्माण तथा स्वच्छ, ऊर्जा दक्ष और टिकाऊ मत्स्य शिकार प्रणाली को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगा। इसके लिए निदेशक आईसीएआर-सीआईएफटी को धन्यवाद दिया।

न्यूज IN ब्रीफ

नि:शुल्क परामर्श शिविर में आठ मरीजों का होगा मुफ्त ऑपरेशन

खूंटीः अल्मा मेटर संस्था, इंगा हेल्थ फाउंडेशन एवं ऑपरेशन स्माइल के संयुक्त तत्वावधान में खूंटी स्थित गोपद कॉम्प्लेक्स, नेताजी चौक में निःशुल्क परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जन्म से कटे होंठ (क्लेफ्ट लिप) एवं कटे तालु (क्लेफ्ट पैलेट) से पीड़ित मरीजों की जांच की गई। जांच के दौरान कुल 8 मरीज ऐसे पाए गए, जिनका आगामी 1 जून 2026 को हजारीबाग स्थित क्षितिज हॉस्पिटल में निःशुल्क सर्जरी किया जाएगा। संस्था की ओर से बताया गया कि सभी मरीजों का ऑपरेशन पूरी तरह मुफ्त होगा। इसके साथ ही मरीजों एवं उनके दो परिजनों के रहने, भोजन तथा आने-जाने की व्यवस्था का पूरा खर्च भी संस्था द्वारा वहन किया जाएगा।

शिविर में मौजूद चिकित्सकों एवं संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि कटे होंठ और तालु जैसी जन्मजात समस्याओं का समय पर इलाज होने से बच्चों को सामान्य जीवन जीने में काफी सहायता मिलती है। उन्होंने कहा कि ऐसे सामाजिक एवं स्वास्थ्य सेवा से जुड़े शिविर आगे भी आयोजित किए जाएंगे ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद लोगों को लाभ मिल सके।

संस्था की ओर से जानकारी दी गई कि चयनित सभी मरीजों को 1 जून को हजारीबाग ले जाया जाएगा, जहां विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा उनका ऑपरेशन किया जाएगा। वहीं अन्य मरीजों का परामर्श एवं जांच प्रक्रिया भी जारी है।

लावालौंग में बालू लदा ट्रैक्टर पलटने से किशोर की मौत, दो अन्य घायल

चतरा : जिले के लावालौंग थाना क्षेत्र से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। यहाँ अमानत नदी से बालू लेकर लौट रहा एक बिना नंबर का ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया। इस हादसे में ट्रैक्टर के नीचे दबने से एक किशोर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घटना हेडुम गांव की है, जहां नदी से बालू लादकर आ रहा ट्रैक्टर असंतुलित होकर पलट गया। हादसे में तुलसी गंझू के पुत्र आनूष (अनुष) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं दुर्घटना में घायल दो लोगों को बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग भेजा गया है। घटना की सूचना मिलते ही लावालौंग थाना प्रभारी चंदन कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में ले लिया। पुलिस बिना नंबर के ट्रैक्टर की पहचान कर मामले की जांच में जुट गई है। थाना प्रभारी ने कहा कि परिजनों से आवेदन मिलने के आधार पर आगे की सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आंधी-तूफान के साथ झमाझम बारिश, लोगों को मिली बड़ी राहत

चतरा : जिले में पिछले कई दिनों से जारी भीषण गर्मी और जानलेवा लू के बीच आज सुबह मौसम ने अचानक करवट ले ली। सुबह-सुबह हुई जोरदार आंधी और बारिश ने चतरा वासियों को झुलसाने वाली गर्मी से बड़ी राहत दी है। चतरा में आज जब लोगों की आंखें खुलीं, तो मौसम का मिजाज पूरी तरह बदला हुआ था। सुबह साढ़े छह बजे से ही आसमान में घने काले बादल छा गए। देखते ही देखते तेज आंधी-तूफान के साथ जिले के विभिन्न प्रखंडों में मूसलाधार बारिश शुरू हो गई। बारिश के साथ ही लगातार बिजली भी कड़कती रही। पिछले कई दिनों से आसमान छूते पारे और चिपचिपाती गर्मी से त्रस्त आम जनजीवन को इस मौसमी बदलाव से बड़ी राहत मिली है। ठंडी हवाएं चलने से चतरा का तापमान काफी लुढ़क गया है और लोगों ने चैन की सांस ली है।

जेएसएलपीएस के दीदियों ने पेश की जनसेवा की अनूठी मिशाल

चतराः जिले के हंटरगंज प्रखंड के जेएसएलपीएस के दीदियों ने जनसेवा की एक अनूठी मिशाल,पेश की है। उन्होंने गुरुवार को हंटरगंज प्रखंड के क्षेत्र के हंटरगंज कौलेश्वरी मोड़, पीएनबी डुमरी, प्रतापपुर मोड़ जोरी, दंतार बाजार, केदली बाजार और घंघरी बाजार में तीन-तीन मिट्टी के घड़े में शुद्ध पेयजल की व्यवस्था की है।चिलचिलाती धूप और उमस भरी गर्मी के बीच यह शुद्ध पेयजल मुहैया करवाने से लोगों को राहत मिलेगी। हंटरगंज में इसका उद्घाटन बीडीओ निखिल गौरव कमान कच्छप ने किया जबकि जोरी प्रतापपुर मोड़ में जोरी पंचायत मुखिया रामरतन साहू ने किया। जेएसएलपीएस के ब्लॉक एंकर पर्सन अलका कुमारी ने कहा कि तेज धूप और गर्मी को देखते हुए विभाग की ओर से क्षेत्र के प्रमुख चौंक चौराहों पर पेयजल व्यवस्था करने का निर्देश प्राप्त हुआ था। उन्होंने आगे कहा कि इससे न केवल बाजार में आने वाले जरूरतमंदो को लाभ मिलेगा, बल्कि राहगीर और स्थानीय लोग भी अपनी प्यास बुझा पाएंगे।लोगों को डिहाइड्रेशन से भी राहत मिलेगी। जो धूप और हीट वेव में भी मददगार साबित होगा। लोगों ने इस नेक कार्य के लिए कर्मियों की काफी प्रशंसा की है। मौके पर बीपीएम दीपक सिंह, पंचायत समिति अखिलेश, वार्ड सदस्य सोनू भारती, सीसी कुणाल चौधरी,आईपीआरपी सुशीला देवी, आईएफसी सीओ बिंदु कुमार, बीआरपी रूबी कुमारी, लेखपाल खुशबू देवी, अध्यक्ष नाजिया प्रवीण, एससीआरपी कोशिला देवी, परवेज आलम, मुन्ना दास,सहित अन्य जेएसपीएलएस कर्मी और ग्रामीण उपस्थित थे।

अदिति पांडे के परिजनों से मिले जयराम महतो व देवेन्द्र नाथ

दो दिन में कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन की दी चेतावनी

संवाददाता

मुरी : कोकर निवासी 18 माह की मासूम अदिति पांडे मामले को लेकर आज डुमरी विधायक टाइगर जयराम महतो एवं झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेन्द्र नाथ महतो ने अदिति पांडे के परिजनों से उनके आवास पहुँचकर मुलाकात की तथा परिवार का दुःख साझा किया।

इस दौरान विधायक टाइगर जयराम महतो ने अदिति की माता अंजनी पांडे, पिता मनीष पांडे एवं अन्य परिजनों से मुलाकात कर पूरे मामले की जानकारी ली। परिजनों से मिलकर वे भावुक हुए और घटना को अत्यंत दुःखद एवं चिंताजनक बताया।

मौके पर ही विधायक जयराम महतो ने रांची वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन से फोन पर बातकर अदिति पांडे कांड की अद्यतन जानकारी प्राप्त की तथा मामले में त्वरित एवं निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित करने का आग्रह किया। इस दौरान राँची वरीय पुलिस अधीक्षक द्वारा दो दिनों के भीतर मामले के खुलासे का आश्वासन दिया गया।

विधायक टाइगर जयराम महतो ने स्पष्ट कहा कि यदि दो दिनों के भीतर पुलिस द्वारा संतोषजनक कार्रवाई नहीं की जाती है, तो झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा की राँची टीम सड़क पर उतरकर लोकतांत्रिक आंदोलन करेगी। वहीं केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेन्द्र नाथ महतो ने कहा कि मासूम अदिति को न्याय दिलाने के लिए पार्टी हर स्तर पर संघर्ष करेगी। यदि दो दिनों के भीतर अदिति कांड का खुलासा नहीं होता है, तो जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए राँची बंद का आह्वान भी किया जा सकता है। जेएलकेएम ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी कर निष्पक्ष जांच सुनिश्चित की जाए, ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके और समाज में कानून के प्रति विश्वास बना रहे।

हंटरगंज प्रखंड में हर्षोल्लास के साथ मना कुर्बानी का पर्व बकरीद

संवाददाता

चतरा : मुस्लिम समुदाय का त्याग और बलिदान का पर्व ईद उल अजहा (बकरीद) हर्षोल्लास के साथ शांति व सौहार्द भरे माहौल में मनाया गया। हंटरगंज प्रखंड के जामा मस्जिद हंटरगंज, उचला, डटमी, भागेवार, जोरी, गोडवाली, मायापुर,मीरपुर, पांडेपुरा, दंतार, डाहा, बडहीबीघा के अलावा दर्जनों मस्जिद में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने बकरीद का नमाज अदा किया और देश की अमन चैन शांति को लेकर दुआ मांगी, इसके बाद एक दूसरे से गले मिल बकरीद की मुबारक बाद दिया।वही नमाज के बाद लोगो ने बकरे की कुबार्नी दी। जामा मस्जिद के इमाम मो मुजम्मिल ने बताया कि कुबार्नी का त्यौहार नबी इब्राहिम अलैहिस्सलाम एवं उनके पुत्र इस्माइल अलैहिस्सलाम की बलिदान के याद में मनाया जाता है, जो बलिदान एवं त्याग का त्यौहार है।विधि व्यवस्था को लेकर प्रखंड प्रशासन मुस्तैद दिखी,सभी मस्जिद के सामने पुलिस प्रशासन की तैनाती की गई थी।वहीं हंटरगंज अंचलाधिकारी रितिक कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी निखिल गौरव कमान कच्छप, पुलिस इंस्पेक्टर विपिन कुमार, थाना प्रभारी प्रभात कुमार, के द्वारा लगातार शांति बनाने को लेकर पुलिस बल के साथ क्षेत्र में पेट्रोलिंग की जा रही थी।

ऑटो चालक के साथ मारपीट और लूटपाट

रांची : सुखदेवनगर थाना क्षेत्र में ऑटो चालकों के बीच विवाद और मारपीट का मामला सामने आया है। इस संबंध में राजेश भारती के आवेदन पर सुखदेवनगर थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। प्राथमिकी में दो ऑटो चालक को आरोपी बनाया गया है। पीड़ित राजेश भारती ने बताया कि वह पिछले 12 वर्षों से रांची में ऑटो चलाकर जीवनयापन कर रहे हैं। 26 मई की सुबह वह अपने ऑटो का फिटनेस कराने नेवरी विकास जा रहे थे। रातू रोड में सवारी बैठाने के दौरान कुछ ऑटो चालकों ने उन्हें रोक लिया और गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी।

क्रिकेट की अनसुनी कहानियों को दुनिया तक पहुंचाने निकले निशांत दयाल

मिड विकेट स्टोरिज बना वैश्विक मंच

रांची : क्रिकेट सिर्फ मैदान पर बने रन, विकेट और रिकॉर्ड का खेल नहीं है, बल्कि इसके पीछे अनगिनत भावनाएं, दोस्तियां, संघर्ष और ड्रेसिंग रूम की ऐसी कहानियां छिपी होती हैं, जिन तक आम फैंस की पहुंच नहीं हो पाती। इन्हीं अनसुनी कहानियों को दुनिया के सामने लाने के उद्देश्य से युवा उद्यमी निशांत दयाल और उनकी सह-संस्थापक जया प्रसाद ने मिडविकेट स्टोरीज नामक एक अनोखे वैश्विक क्रिकेट स्टोरीटेलिंग प्लेटफॉर्म की शुरूआत की है। रविवार को मुंबई के आईटीसी मराठा होटल में इसका भव्य आधिकारिक लॉन्च किया गया।

मिडविकेट स्टोरीज ने अब तक सात शहरों, चार देशों और तीन महाद्वीपों में क्रिकेट जगत के 11 दिग्गज खिलाड़ियों के साथ सात विशेष एपिसोड फिल्माए हैं। इनमें एलन बॉर्डर, विव रिचड्र्स, इयान बॉथम, क्रिस गेल, हरभजन सिंह, ज्योफ्री बॉयकॉट, जहीर खान, नवजोत सिंह सिद्धू, सनथ जयसूर्या और मैथ्यू हेडन जैसे दिग्गज शामिल हैं। लॉन्च के मौके पर निशांत दयाल ने कहा कि मिडविकेट स्टोरीज केवल एक क्रिकेट शो नहीं, बल्कि क्रिकेट इतिहास की भावनात्मक विरासत

को संजोने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य ऐसा मंच बनाना था, जहां दिग्गज खिलाड़ी खुलकर अपने जीवन, दोस्तियों, प्रतिद्वंद्विताओं और उन यादों को साझा कर सकें, जिन्हें दुनिया ने पहले कभी नहीं सुना। इस पहल की एक खास बात इसका सामाजिक सरोकार भी है। डॉ. दयाल फाउंडेशन ने हर संस्करण के बाद दो बच्चों की हार्ट सर्जरी कराने का संकल्प लिया है। वहीं, सुनील गावस्कर भी अपनी हर्ट टू हर्ट फाउंडेशन के माध्यम से हर वर्ष लगभग 35 बच्चों की हार्ट सर्जरी में सहयोग करते हैं। लगातार बढ़ती लोकप्रियता के साथ निशांत दयाल का मिड विकेट स्टोरिज अब क्रिकेट की दुनिया में एक नई पहचान बना रहा है, जहां आंकड़ों से आगे बढ़कर खेल की आत्मा, भावनाओं और इंसानी रिश्तों को दुनिया के सामने प्रस्तुत किया जा रहा है।

तीन वर्षों की मेहनत, रिसर्च और दुनियाभर की यात्राओं के बाद तैयार हुए इस मंच को क्रिकेट जगत के दिग्गजों का भी भरपूर समर्थन मिला है। भारत के महान बल्लेबाज और एम डब्ल्यू एस के प्रिंसिपल एडवायजर सुनील गावस्कर ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि जब निशांत दयाल उनके पास यह विचार लेकर आए, तभी उन्हें महसूस हो गया था कि यह क्रिकेट की दुनिया में कुछ अलग और खास करने जा रहा है।

15 लाख मूल्य के 30.31 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता

चतरा : पुलिस मादक पदार्थों की तस्करी के रोकथाम को लेकर लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी बुधवार की शाम इटखोरी थाना क्षेत्र में पुलिस ने छापामारी कर 30.31 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार कर लिया। इटखोरी थाना में गुरुवार को आयोजित प्रेस वार्ता में डीएसपी मुख्यालय सुनील कुमार सिंह ने बताया कि बुधवार की शाम करीब 5:30 बजे चतरा के पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी को गुप्त सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति थाना क्षेत्र के भुरकुण्डा जंगल के मैदान में अवैध ब्राउन शुगर का खरीद-बिक्री कर रहा है। सूचना पर उनके नेतृत्व में एक छापामारी दल का गठन किया गया।छापामारी दल द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए ईटखोरी चतरा रोड स्थित भुरकुण्डा जंगल के मैदान से गिद्धौर थाना क्षेत्र के मायापुर गांव के एक व्यक्ति अशोक पासवान (38 वर्ष) को हिरासत में लिया गया। हिरासत में आये व्यक्ति के पास से पुलिस ने एक काला रंग का प्लास्टिक बरामद किया,जिसमें रखा 30.31 ग्राम अवैध ब्राउन शुगर एवं एक नोकिया कम्पनी का किपैड मोबाईल था। पुलिस ने सभी समानों को जब्त कर लिया। उन्होंने बताया कि बरामद ब्राउन सुगर की अनुमानित मूल्य लगभग 15 लाख रु हैं। इस संबंध में ईटखोरी थाना कांड सं0-68/26, दि0- 27.05.2026, धारा-21(बी)/22(बी)/29 एनडीपीएस एक्ट दर्ज कर अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।

रांची में बदला मौसम का मिजाज, ठंडी हवा और बारिश से मिली गर्मी से राहत

शिमला-मनाली को टक्कर दे रहा झारखंड का मौसम, बारिश और ठंडी हवाओं ने बढ़ाई सूबे की खूबसूरती

संवाददाता

रांची : भीषण गर्मी और उमस से परेशान झारखंडवासियों को शुक्रवार सुबह बड़ी राहत मिली। सुबह से ही मौसम का मिजाज बदला-बदला नजर आया। तेज और ठंडी हवाओं के साथ हुई रिमझिम बारिश ने राजधानी रांची समेत राज्य के कई जिलों का मौसम पूरी तरह सुहाना बना दिया। आसमान में छाए बादलों और हल्की फुहारों ने लोगों को शिमला-मनाली जैसी ठंडक का एहसास कराया। लंबे समय से पड़ रही चिलचिलाती धूप और उमस भरी गर्मी से बेहाल लोग इस खुशनुमा मौसम का जमकर आनंद लेते नजर आए।

बारिश के बाद तापमान में आई गिरावटः सुबह करीब आठ बजे के बाद कई इलाकों में हल्की बारिश शुरू हुई, जिसके बाद तापमान में गिरावट दर्ज की गई। सड़कों, पार्कों और बाजारों में लोगों के चेहरे पर राहत साफ दिखाई दी। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक ने मौसम के इस बदले मिजाज का आनंद लिया। कई लोग घरों की छतों और बालकनियों में खड़े होकर बारिश का आनंद लेते दिखे, जबकि कुछ लोग गर्म चाय और पकौड़ों के साथ मौसम का लुत्फ उठाते नजर आए।

कई जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारीः इधर, मौसम विभाग ने राज्य के कई जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार 29 और 30 मई को झारखंड के अधिकांश हिस्सों में 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। इसके साथ गरज-चमक, बारिश और वज्रपात की भी संभावना जताई गई है। रांची, बोकारो, गुमला, हजारीबाग, खूंटी, रामगढ़, लोहरदगा, धनबाद, देवघर, दुमका, गिरिडीह और पूर्वी-पश्चिमी सिंहभूम समेत कई जिलों में मौसम का असर देखने को मिल सकता है।

मौसम विभाग ने जारी की सावधानी की सलाहः मौसम विभाग ने लोगों से खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने की अपील की है। विभाग ने खुले मैदान, पेड़ों के नीचे और बिजली के खंभों के पास खड़े नहीं होने की सलाह दी है। किसानों और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को भी विशेष सावधानी बरतने को कहा गया है।

प्रशासन भी अलर्ट मोड मेंः प्रशासन ने संभावित आपदा से निपटने के लिए संबंधित विभागों को अलर्ट मोड में रहने का निर्देश दिया है। मौसम में अचानक हुए बदलाव को देखते हुए आपदा प्रबंधन टीमों को भी सतर्क रहने के लिए कहा गया है।

कांग्रेस-झामुमो में आज सीट शेयरिंग पर मंथन

राज्यसभा चुनाव : एक सीट पर कांग्रेस का दावा

आज सीएम से मिलेंगे प्रदेश कांग्रेस प्रभारी

संवाददाता

रांचीः झारखंड में होने वाले राज्यसभा चुनाव को लेकर इंडिया गठबंधन के भीतर हलचल तेज हो गई है। विधानसभा में विधायकों के गणित के आधार पर देखा जाए तो राज्यसभा की दोनों सीट गठबंधन के खाते में जाती दिखाई दे रही है।

हालांकि इसके लिए गठबंधन के भीतर एकता बनाए रखना जरूरी माना जा रहा है। इसी को ध्यान में रखते हुए प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के राजू दो दिवसीय दौरे पर शुक्रवार को झारखंड आ रहे हैं। वह मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिलकर राज्यसभा चुनाव को लेकर चर्चा करेंगे। इस बैठक में कोशिश होगी कि गठबंधन के भीतर झामुमो और कांग्रेस को एक-एक सीट मिले। प्रदेश प्रभारी के राजू के साथ कांग्रेस नेता और तेलंगाना के डिप्टी सीएम मल्लु भट्टी विक्रमार्क भी मुख्यमंत्री के साथ वार्ता में शामिल होंगे।

कांग्रेस नेतृत्व मुख्यमंत्री को आला कमान का संदेश देने के साथ अपने तर्कों से भी संतुष्ट करने और कांग्रेस उम्मीदवार के लिए उनकी सहमति लेने का प्रयास करेगा। के राजू और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश पहले भी राज्यसभा की एक सीट पर कांग्रेस का दावा जता चुके हैं। **राजद-वामदलों से भी होगी वार्ताः** प्रदेश कांग्रेस प्रभारी पहले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से बातचीत करेंगे। इसके बाद वे गठबंधन के अन्य सहयोगी दलों राजद और वाम दलों से भी चर्चा करेंगे। के राजू ने उम्मीद जताई है कि गठबंधन के भीतर सभी मुद्दों पर सहमति बन जाएगी।

सुबोधकांत व राजेश ठाकुर के नाम चर्चा मेंः दावेदारों ने लोगों शुरू कर दी है पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय और पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर का नाम चर्चा में है। प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता, पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष शहजादा अनवर और पूर्व सांसद फुरकान अंसारी भी संभावित चेहरों में गिने जा रहे हैं।

पार्टी इस बार सामाजिक और राजनीतिक संतुलन साधने की रणनीति पर काम कर रही है। दिलचस्प यह है कि 2020 में उम्मीदवार रहे शहजादा अनवर ने फिर दावेदारी के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को पत्र लिखा है। पिछली बार में चुनाव हार गए थे।

विनोद बिहारी महतो कोयलांचल विवि के छात्रों का 15 दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण समाप्त

- ✔ मत्स्यपालन की आधुनिकतम तकनीकों से हुए रूबरू

मेट्रो रेज संवाददाता

रांचीः विनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद के स्नातकोत्तर (जंतु विज्ञान) के छात्रों का 15 दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम का शुक्रवार को समापन हुआ।

इस दौरान छात्रों ने झारखंड में मत्स्य पालन की आधुनिकतम तकनीकों का जायजा लिया।

टीम में शामिल 35 छात्रों के दल ने मत्स्य निदेशालय के उप निदेशक संजय कुमार गुप्ता व सेवानिवृत्त संयुक्त मत्स्य निदेशक मनोज कुमार के निर्देशन में मत्स्य पालन की गतिविधियों की जानकारियां प्राप्त की।

इस क्रम में विश्वविद्यालय के छात्रों ने पतरातु डैम का भी अवलोकन किया। वहां केज कल्चर, रामगढ़ में खदानों में जमे पानी में मत्स्य पालन, एक्वाकल्चर सिस्टम, रिसकुर्लेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम, बायोफ्लॉक आदि विधियों से मत्स्य पालन की जानकारी हासिल की। शैक्षणिक भ्रमण के पश्चात मत्स्य निदेशालय के सेवानिवृत्त संयुक्त निदेशक मनोज कुमार व उप निदेशक संजय कुमार गुप्ता ने सभी छात्रों को प्रमाण पत्र वितरण किया।

विश्वविद्यालय के छात्र दयाशंकर, मधुश्री मंडल, मन्नू कुमारी, फैज अहमद, विश्वजीत सिसोदिया, अनामिका कुमारी सहित अन्य ने प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि झारखंड में मत्स्यपालन रोजगार का एक सशक्त साधन बन सकता है। प्रशिक्षण प्राप्त छात्र-छात्राओं को रोजगार का एक नया विकल्प मिल सकता है। छात्रों ने झारखंड में मत्स्य उत्पादन के संतोषजनक प्रगति व निदेशालय की गतिविधियों की सराहना की। उक्त जानकारी मत्स्य किसान प्रशिक्षण केंद्र, शालीमार धुर्वा के मुख्य अनुदेशक प्रशांत कुमार दीपक ने दी।

एसआईआर और जनगणना को लेकर मिशन मोड में जेएमएम

मुख्यमंत्री के निर्देश पर बूथ स्तर तक बैठकों का दौर शुरू

संवाददाता

रांचीः झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) एसआइआर और जनगणना के मुद्दे को लेकर अब पूरी तरह से मिशन मोड में नजर आ रही है। पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सह मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के कड़े निर्देश के बाद संगठन को पंचायत से लेकर बूथ स्तर तक सक्रिय करने की कवायद तेज हो गई है। इसी रणनीति के तहत झामुमो के महासचिव सह प्रवक्ता विनोद पांडेय खुद कमान संभालते हुए राज्यभर में सांगठनिक बैठकों का नेतृत्व कर रहे हैं। इन बैठकों में पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और बूथ लेवल एजेंटों (बीएलए) को एसआइआर की बारीक प्रक्रियाओं और इसके दूरगामी राजनीतिक प्रभावों के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

सीएम आवास की बैठक में तैयार हुआ था पूरा रोडमैपः गौरतलब है कि बीते 20 और 21 अप्रैल 2026 को रांची स्थित मुख्यमंत्री आवास पर झामुमो की एक महत्वपूर्ण दो दिवसीय बैठक हुई थी। इस बैठक में सीएम हेमंत सोरेन ने संगठन को बूथ स्तर तक धारदार बनाने पर विशेष जोर दिया था। बैठक के दौरान एसआईआर और आगामी जनगणना जैसे गंभीर मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई थी और विपक्ष (भाजपा) के कथित राजनीतिक षड्यंत्रों को विफल करने का संकल्प लिया गया था। मुख्यमंत्री ने साफ शब्दों में कहा था कि मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों को देखते हुए जमीनी स्तर पर संगठन की भूमिका और ज्यादा महत्वपूर्ण हो गयी है।

लोहरदगा और गुमला के बाद अब कोल्हान और सिमडेगा की बारीः इस चुनावी व सांगठनिक रणनीति के तहत हाल ही में 25 मई को लोहरदगा और 26 मई को गुमला में जिला से लेकर बूथ स्तर तक के पदाधिकारियों और बीएलए की बड़ी बैठकें संपन्न हुईं। इन बैठकों में विनोद पांडेय ने कार्यकर्ताओं को एसआइआर की प्रक्रिया, मतदाता सूची के डोर-टू-डोर सत्यापन और जनता को जागरूक करने के तौर-तरीकों की ट्रेनिंग दी। झामुमो ने अब अपने अगले चरण की सांगठनिक बैठकों का शेड्यूल भी जारी कर दिया है। इसके अनुसार 2 जून को पश्चिम सिंहभूम (चाईबासा), 3 जून को पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर) और सरायकेला-खरसावां में 4 जून को आयोजित सिमडेगा।

एसआईआर पर भाजपा को घेराः एसआईआर अभियान के जरिए झामुमो सीधे तौर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर हमलावर है। महासचिव विनोद पांडेय ने तीखा आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा की राजनीति हमेशा से पहले जनता के अधिकार रोकने और फिर उसी संवेदनशील मुद्दे पर अपनी राजनीतिक रोटियां सेकने की रही है। उन्होंने झारखंड का उदाहरण देते हुए कहा कि यहां भी केंद्र द्वारा राज्य की हक की राशि रोकी जाती है और फिर विकास न होने का झूठा आरोप मढ़ा जाता है। विनोद पांडेय ने बिहार और पश्चिम बंगाल का हवाला देते हुए कार्यकर्ताओं को आगाह किया कि एसआइआर के बहाने गरीबों, आदिवासियों, दलितों और पिछड़ों को सरकारी व्यवस्था से बाहर धकेलने की बड़ी साजिश रची जा रही है। उन्होंने दावा किया कि इसी प्रक्रिया के चलते बिहार में करीब 3.5 मिलियन गरीबों के राशन कार्ड रद्द कर दिए गए। झामुमो अब इसी मुद्दे को लेकर गांव-गांव और बूथ-बूथ तक एक बड़ा राजनीतिक चेतना अभियान चलाने जा रही है।

डीएसपी अमित कुमार सिंह पर चुटिया थाने में प्राथमिकी दर्ज

रांची: राजधानी रांची के चुटिया थाने में डीएसपी अमित कुमार सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। मामला आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप से जुड़ा बताया जा रहा है। बता दें कि युवती ने नश काट कर आत्महत्या की भी कोशिश की है। जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

शादी का झांसा देने का आरोप: बताया जाता है कि डीएसपी अमित कुमार सिंह का एक युवती के साथ संबंध था। आरोप है कि वह युवती को शादी का झांसा दे रहे थे। बाद में शादी से इनकार करने के बाद युवती ने चुटिया थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर एफआईआर दर्ज की गई है।

जांच में जुटी पुलिस: चुटिया थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार अमित कुमार सिंह वर्तमान में लोहरदगा जिले में पदस्थापित हैं। गौरतलब है कि वहां भी इस तरह की शिकायत सामने आई थी, जिसके बाद उन्हें हटाया गया था।

आग के अंगारों पर नंगे पांव चलकर भक्तों ने दिया भक्ति और शक्ति का परिचय

मंडा पूजा के शुभ अवसर पर जागरण का आयोजन

मेट्रो रेज संवाददाता

रामगढ़ः गोला में श्रीश्री अति प्राचीन महादेव मंडप (महादेव मंडा) समिति के तत्वावधान में मंडा पूजा के शुभ अवसर पर आयोजित जागरण में पश्चिम बंगाल से भव्य छांव नृत्य का आयोजन प्रस्तुत किया गया एवं आज सुबह तड़के लहलाहते आग के अंगारों पर भोक्ता गण एवं सोकताईन ने नंगे पांव चल कर भक्ति और शक्ति का परिचय दिया। इस आयोजन में मुख्य रूप से केंद्रीय मंडा पूजा समिति, झारखंड के अध्यक्ष राजकुमार महतो, महासचिव उदय पासवान, रामगढ़ जिला के अध्यक्ष संजय कुमार, उपाध्यक्ष तपन कुमार महतो, आजसू नेता पीयूष चौधरी, सांसद प्रतिनिधि राजीव जायसवाल उपस्थित हुए। इस आयोजन में केंद्रीय मंडा पूजा समिति के अध्यक्ष राजकुमार महतो ने कहा मंडा पूजा हमारे नागवंशी राजाओं और पूर्वजों की विरासत में हमें मिली है इसे हम युवाओं को और आगे तक ले जाना होगा। इस भव्य आयोजन के लिए केंद्रीय मंडा पूजा समिति के पदाधिकारी गण सभी को अंग वस्त्र एवं एक प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

इस भव्य आयोजन में इनकी रही भागीदारी अध्यक्ष गजानन कुशवाहा, सचिव सन्नी डांगी, कोषाध्यक्ष परमेश्वर महतो एवं समिति के सभी सदस्यगण।

राज्यसभा की चुनाव में कौन मारेगा बाजी? दो सीटों को लेकर सियासत तेज

संवाददाता

रांचीः झारखंड में राज्यसभा की दो सीटों पर 18 जून को होने वाले चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। सत्ता पक्ष जहां दोनों सीटों पर जीत को लेकर पूरी तरह आश्वस्त नजर आ रहा है, वहीं भाजपा भी मजबूती के साथ चुनाव लड़ने की रणनीति में जुटी हुई है। विधानसभा में मौजूदा संख्या बल को देखते हुए भाजपा को जीत के लिए अतिरिक्त चार वोटों की जरूरत पड़ेगी। ऐसे में पार्टी की नजर संभावित क्रॉस वोटिंग और सहयोगी दलों के समर्थन पर टिकी हुई है। **सत्ता पक्ष में उम्मीदवारों को लेकर चर्चाएं तेजः** सत्तारूढ़ गठबंधन की ओर से संभावित उम्मीदवारों के नामों को लेकर चर्चाओं का दौर जारी है। झामुमो की ओर से पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन की पुत्री और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की बड़ी बहन नेमनी सोरेन का नाम प्रमुखता से सामने आ रहा है। इसके अलावा झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य और विधायक कल्पना सोरेन के नामों की भी राजनीतिक गलियारों में चर्चा है।

भाजपा में कई बड़े नामों पर मंथनः

वहीं, एनडीए खेमे में भाजपा की ओर से पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश, पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, रघुवर दास और सीता सोरेन के नामों पर मंथन चल रहा है। इसके साथ ही एक आईआरएस अधिकारी निशा उरांव का नाम भी चर्चा में है। निशा उरांव कांग्रेस विधायक रामेश्वर उरांव की पुत्री हैं, जिससे राजनीतिक हलकों में इस नाम को लेकर भी कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं।

कांग्रेस में भी दावेदारों की हलचलः कांग्रेस में भी संभावित उम्मीदवारों को लेकर हलचल तेज हो गई है। पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप बलमुचु और राजेश ठाकुर के नाम प्रमुख दावेदारों में बताए जा रहे हैं। पार्टी नेतृत्व संभावित समीकरणों को ध्यान में रखते हुए उम्मीदवारों के चयन पर मंथन कर रहा है।

बाबूलाल मरांडी के बयान से बढ़ी सियासी चर्चाः इस बीच विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि भाजपा के भीतर कई योग्य नाम सामने आए हैं और प्रदेश इकाई सभी संभावित उम्मीदवारों की सूची केंद्रीय नेतृत्व को भेजेगी। अंतिम फैसला दिल्ली स्तर पर लिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा पूरी ताकत के साथ चुनाव मैदान में उतरेगी और जीत सुनिश्चित करने की दिशा में काम करेगी।

'अंतरात्मा की आवाज' पर मतदान करने की अपील : राजनीतिक गलियारों में बाबूलाल मरांडी के उस बयान की भी चर्चा है, जिसमें उन्होंने विधायकों से 'अंतरात्मा की आवाज' पर मतदान करने की अपील की थी। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा संभावित क्रॉस वोटिंग की उम्मीद के साथ रणनीति तैयार कर रही है। यही कारण है कि पार्टी सभी राजनीतिक समीकरणों को साधने में जुटी हुई है।

केंद्रीय नेतृत्व के फैसले पर टिकी निगाहें: राज्यसभा चुनाव को लेकर भाजपा के भीतर जारी मंथन और नेताओं की बढ़ती सक्रियता ने झारखंड की राजनीति को एक बार फिर गर्मा दिया है। अब सबकी नजरें केंद्रीय नेतृत्व के फैसले पर टिकी हैं, जो आने वाले दिनों में उम्मीदवारों के नामों पर अंतिम मुहर लगाएगा।

सरकारी खजाने से 116 करोड़ गबन का मामला

मास्टरमाइंड अर्घ्य सेन गुप्ता को हाईकोर्ट से तीन अलग-अलग मामलों में जमानत

मेट्रो रेज संवाददाता

रांचीः सरकारी खजाने से लगभग 116 करोड़ गबन मामले के मास्टरमाइंड अर्घ्य सेन गुप्ता उर्फ अर्नब गांगुली को झारखंड हाईकोर्ट के वेकेशन बेंच से बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट के न्यायाधीश रंगन मुखोपाध्याय की बेंच ने तीन अलग-अलग मामलों में जमानत प्रदान कर दी है। जहां बीए 11192/26, बीए 11168/26 एवं 11230/26 तीनों मामले में याचिका को स्वीकृति दे दी गई।

इसके साथ ही अर्घ्य सेन गुप्ता के जेल से बाहर आने का रास्ता साफ हो चुका है। आपको बताते चले की झारखंड के बहुचर्चित जेटीडीसीएल - ऊर्जा घोटाले में सीआईडी ने अर्घ्य सेन गुप्ता समेत दो लोगों को आरोपी बनाया गया था। दोनों व्यक्ति जमानत पर थे वहीं अब मास्टरमाइंड को भी जमानत मिल चुकी है।

फिक्स डिपाजिट के नाम पर चल रहा था बड़ा खेल : सीआईडी ने अपने आरोप पत्र में कहा था कि आरोपियों ने बेहद शातिराना ढंग से सरकारी खजाने में सेंध लगाई है। इन्होंने झारखंड टूरिज्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन और ऊर्जा उत्पादन निगम जैसे संस्थानों को निशाना बनाया घोटाले को अंजाम देने के लिए फर्जी लेटर हेड जाली हस्ताक्षर और नकली आदेशों का सहारा लिया गया। आरोपियों ने बैंकों में सरकारी खातों से मिलते जुलते नाम वाले फर्जी खाते खुलवाए और सरकारी फंड को उसमें ट्रांसफर कर दिया।

इस गिरोह ने फिक्स डिपाजिट के नाम पर भी बड़ा खेल किया विभिन्न बैंकों से कोटेशन मंगाये गए और कागजों में हेर फेर कर अधिक ब्याज दर दिखाई गई। ताकि चयन प्रक्रिया को प्रभावित किया जा सके एक बार बैंक फाइनल होने के बाद असली खातों की बजाय रकम को अन फर्जी खातों में डाल दिया गया जो पहले से जालसाजों में नियंत्रण में था।

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

तपती धरती, झुलसता जीवन: जनता के समक्ष हीटवेव की चुनौती

वर्ष 2026 की गर्मी केवल एक मौसमीय घटना नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के सामने खड़ी एक गंभीर चेतावनी बनकर सामने आई है। अप्रैल-मई के दौरान भारत सहित दक्षिण एशिया के अनेक हिस्सों में पड़ी रिकॉर्ड हीटवेव ने यह स्पष्ट कर दिया है कि जलवायु परिवर्तन अब भविष्य का संकट नहीं, वर्तमान की भयावह वास्तविकता है। दिल्ली, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और मध्य भारत के अनेक क्षेत्रों में तापमान 46 से 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। कई शहरों में बिजली की मांग ने रिकॉर्ड तोड़ दिए। सड़कें सूनी दिखने लगीं, श्रमिकों का श्रम ठहरने लगा और बच्चों, बुजुर्गों तथा गरीब तबकों के सामने जीवन बचाने की चुनौती खड़ी हो गई। यह संकट अचानक नहीं आया। यह दशकों से प्रकृति के साथ किए गए असंतुलित व्यवहार, अंधाधुंध शहरीकरण, जंगलों की कटाई, संसाधनों के दोहन और सुविधावादी जीवनशैली का परिणाम है। प्रकृति ने बार-बार संकेत दिए, लेकिन विकास की अंधी दौड़ में हमने उन संकेतों को अनसुना किया। आज वही उपेक्षित चेतावनियां लू बनकर हमारे सामने खड़ी हैं।

हीटवेव का सबसे बड़ा कारण केवल बढ़ता तापमान नहीं, बल्कि वह विकास मॉडल है जिसने धरती की प्राकृतिक ढाल को कमजोर कर दिया। जंगल सदियों से पृथ्वी के प्राकृतिक एयर कंडीशनर रहे हैं। वे कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करते हैं, वाष्पोत्सर्जन द्वारा वातावरण को शीतल रखते हैं और वर्षा चक्र को संतुलित बनाए रखते हैं। लेकिन विडंबना है कि विकास के नाम पर जंगलों का तेजी से विनाश हुआ। हर वर्ष लाखों हेक्टेयर वन क्षेत्र समाप्त हो रहे हैं। इसका परिणाम यह हुआ कि स्थानीय स्तर पर तापमान बढ़ा, नमी कम हुई, वर्षा चक्र प्रभावित हुआ और गर्म हवाओं की अवधि लंबी होती गई। आज शहर 'कंक्रीट के जंगल' बन चुके हैं। महानगरों में हरित क्षेत्र सिकुड़ते जा रहे हैं और उनकी जगह सीमेंट, डामर और शीशे की ऊंची इमारतें ले रही हैं। इससे 'अर्बन हीट आइलैंड' प्रभाव तेजी से बढ़ा है। शहर अब आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में कई डिग्री अधिक गर्म हो चुके हैं। कंक्रीट दिनभर सूर्य की ऊष्मा को सोखता है और रात में धीरे-धीरे छोड़ता है। परिणामस्वरूप रातें भी गर्म होती जा रही हैं और शरीर को राहत नहीं मिल पाती।

दिल्ली, मुंबई, जयपुर और लखनऊ जैसे शहरों में रात का तापमान पहले की तुलना में लगातार बढ़ रहा है। गरीब बस्तियों में स्थिति और भी गंभीर है। वहां न हरित क्षेत्र हैं, न पर्याप्त जल आपूर्ति, न शीतलन के साधन। टीन की छतों वाले घर दिन में भट्ठी बन जाते हैं। गर्मी की मार सामाजिक असमानता को और गहरा करती है। अमीर वर्ग एयर कंडीशनर और बंद कमरों में राहत खोज लेता है, लेकिन मजदूर, रिक्शाचालक, रेहड़ी वाले और निर्माण कार्य में लगे श्रमिक खुले आसमान के नीचे झुलसते रहते हैं। विडंबना यह भी है कि गर्मी से राहत का सबसे लोकप्रिय साधन एयर कंडीशनर स्वयं संकट को बढ़ाने वाला कारक बनता जा रहा है। एक एयर कंडीशनर कमरे को ठंडा करता है, लेकिन बाहर उतनी ही गर्म हवा छोड़ता है। इसके साथ ही बिजली की खपत बढ़ती है, जिसका बड़ा हिस्सा अभी भी कोयला आधारित ऊर्जा से आता है। रेफ्रिजरेंट गैसें अतिरिक्त ग्रीनहाउस प्रभाव पैदा करती हैं। इस प्रकार एक दुष्चक्र निर्मित हो गया है-गर्मी बढ़ती है, एसी बढ़ते हैं, उत्सर्जन बढ़ता है और फिर गर्मी और बढ़ जाती है।

जलवायु परिवर्तन का प्रभाव केवल तापमान तक सीमित नहीं है। यह कृषि, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था पर भी व्यापक असर डाल रहा है। वैज्ञानिक अध्ययनों से संकेत मिले हैं कि बढ़ती गर्मी और अनिश्चित मौसम के कारण गेहूं, धान और अन्य फसलों की उत्पादकता प्रभावित हो रही है। गर्म हवाएं पौधों की वृद्धि रोकती हैं, जल स्त्रोतों को सुखाती हैं और मिट्टी की उर्वरता को प्रभावित करती हैं। यदि यही स्थिति बनी रही तो आने वाले वर्षों में खाद्य संकट भी गहरा सकता है। स्वास्थ्य क्षेत्र पर भी इसका गंभीर प्रभाव दिख रहा है। लू लगना, निर्जलीकरण, हीट स्ट्रोक, हृदय रोग और मानसिक तनाव जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। अस्पतालों में गर्मी से जुड़ी बीमारियों के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। सबसे अधिक खतरा बुजुर्गों, बच्चों, गर्भवती महिलाओं और बाहर काम करने वाले श्रमिकों को है।

गर्मी का यह संकट सामाजिक और मानवीय संकट भी बन सकता है। जल स्त्रोतों के सूखने, कृषि संकट और जीवन परिस्थितियों के बिगड़ने से बड़े पैमाने पर पलायन बढ़ सकता है। जैव विविधता पर भी इसका गहरा प्रभाव पड़ रहा है। अनेक जीव-जंतु और वनस्पतियां अपने प्राकृतिक आवास खो रही हैं। हजारों प्रजातियों के अस्तित्व पर संकट मंडरा रहा है। ऐसी स्थिति में सरकारों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। केवल रेड अलर्ट और ऑरेंज अलर्ट जारी करना पर्याप्त नहीं है। हीटवेव को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन के प्रमुख विषय के रूप में स्वीकार करते हुए दीर्घकालिक नीतियां बनानी होंगी। सबसे पहले शहरों में हीट एक्शन प्लान को प्रभावी ढंग से लागू करना होगा। प्रत्येक शहर में हरित क्षेत्र बढ़ाने, जल संरक्षण, छायादार मार्ग, सार्वजनिक प्याऊ और शीतलन केंद्रों की व्यवस्था आवश्यक है। स्कूलों, कॉलेजों और कार्यस्थलों के समय निर्धारण में क्षेत्रीय तापमान को ध्यान में रखा जाना चाहिए। तीखी दोपहर में श्रमिकों के लिए कार्यावधि सीमित की जाए और उनके लिए विश्राम तथा पेयजल की व्यवस्था अनिवार्य हो।

सरकार को भवन निर्माण नीति में भी परिवर्तन लाना होगा। पारंपरिक भारतीय वास्तुकला-हवादार घर, आंगन, मिट्टी आधारित निर्माण, हरित छतें और प्राकृतिक वेंटिलेशन को बढ़ावा देना चाहिए। कांच की चमचमाती इमारतों और ऊष्मा अवशोषित करने वाले निमार्णों पर पुनर्विचार की आवश्यकता है। 'कूल रूफ' तकनीक, वर्षा जल संचयन और सौर ऊर्जा आधारित शीतलन प्रणाली को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। वन संरक्षण और वृक्षारोपण केवल अभियान नहीं, राष्ट्रीय प्राथमिकता बनना चाहिए। शहरों में माइक्रो फॉरेस्ट, पार्क और हरित गलियारों का निर्माण किया जाए। जल निकायों और पारंपरिक तालाबों को पुनर्जीवित किया जाए क्योंकि वे स्थानीय तापमान नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। लेकिन केवल सरकारें यह लड़ाई नहीं जीत सकतीं। आम जनता को भी अपनी भूमिका समझनी होगी। हमें उपभोगवादी जीवनशैली पर पुनर्विचार करना होगा। पानी का संयमित उपयोग, ऊर्जा की बचत, वृक्षारोपण, सार्वजनिक परिवहन का उपयोग और स्थानीय पर्यावरण संरक्षण अब व्यक्तिगत विकल्प नहीं, सामाजिक जिम्मेदारी हैं।

भारतीय समाज में कभी सार्वजनिक प्याऊ, छायादार विश्राम स्थल और जल सेवा की समृद्ध परंपरा थी। गर्मियों में राहगीरों के लिए जल की व्यवस्था पुण्य कार्य माना जाता था। आज उस परंपरा को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। समाज, धार्मिक संस्थाएं और स्वयंसेवी संगठन मिलकर जल सेवा और राहत कार्यों का अभियान चला सकते हैं। गर्मी और जल संकट को राजनीति का विषय बनाने के बजाय सहयोग और समाधान का विषय बनाना होगा। जल विवादों और संसाधनों पर स्वार्थपूर्ण राजनीति भविष्य को और कठिन बनाएगी। आवश्यकता इस बात की है कि जल प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण और जलवायु अनुकूलन को राष्ट्रीय सहमति का विषय बनाया जाए।

अमेरिका-ईरान युद्ध से महंगाई के कारण आमजन प्रभावित

अमेरिका-ईरान युद्ध के कारण कच्चे तेल और एलपीजी की आपूर्ति बुरी तरह से प्रभावित हुई है। ईंधन संकट का बड़ा कारण अमेरिका-ईरान युद्ध न होकर इस युद्ध के कारण हार्मुज वैश्विक संकट बन गया है। हार्मुज के रास्ते से ही कच्चे तेल की आपूर्ति होती है और यहां तनाव के चलते हार्मुज जनडमरुमध्य रास्ते को अवरुद्ध कर दिया गया है। इससे आपूर्ति बुरी तरह से प्रभावित हुई है। यह तो वैकल्पिक उर्जा के रुप में देश में सोलर, विण्ड एनर्जी के क्षेत्र में पिछले सालों में योजनाबद्ध तरीके से तेजी से बेहतर काम हुआ है

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

भले 1970 के तेल संकट जैसे हालात होने की आशंका न हो या 2008 जैसी वित्तीय मंदी के हालात भी न हो लेकिन एक बात साफ है कि अमेरिका-ईरान के बीच करीब तीन माह से चल रहे युद्ध के दुष्प्रभाव गहराने लगे हैं। चाहे एशिया के हों या यूरोपीय देश, सभी केवल वैश्विक तनाव ही नहीं अपितु ईंधन आपूर्ति प्रभावित होने से बढ़ते दामों को रोकने में विफल रहे हैं। पिछले दस-पन्द्रह दिनों में ही हमारे देश में पेट्रोल-एलपीजी-सीएनजी- पीएनजी के दामों में एक बार नहीं अपितु तीन बार बढ़ोतरी हो चुकी है। हालांकि वर्तमान हालात में सरकार को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। विपक्ष चाहे लाख आरोप लगाये पर अंतरराष्ट्रीय हालात से आंखें नहीं मूंदनी चाहिए। इसे लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आमजन से आग्रह को भी इसी संदर्भ में सकारात्मकता से लिया जाना चाहिए।

अमेरिका-ईरान युद्ध के कारण कच्चे तेल और एलपीजी की आपूर्ति बुरी तरह से प्रभावित हुई है। ईंधन संकट का बड़ा कारण अमेरिका-ईरान युद्ध न होकर इस युद्ध के कारण हार्मुज वैश्विक संकट बन गया है। हार्मुज के रास्ते से ही कच्चे तेल की आपूर्ति होती है और यहां तनाव के चलते हार्मुज जनडमरुमध्य रास्ते को अवरुद्ध कर दिया गया है। इससे आपूर्ति बुरी तरह से प्रभावित हुई है। यह तो वैकल्पिक उर्जा के रुप में देश में सोलर, विण्ड एनर्जी के क्षेत्र में पिछले सालों में योजनाबद्ध तरीके से तेजी से बेहतर काम हुआ है और इसी का परिणाम है कि आज प्रधानमंत्री इलेक्ट्रोनिक वाहनों के उपयोग या सोलर एनर्जी के उपयोग पर खुले तौर पर आग्रह करने की स्थिति में है। नवीकरणीय उर्जा के क्षेत्र में देश में तेजी से काम हुआ है और हो रहा है जो एक हद तक संकट को कम करने में सहायक बन रहा है।आज की दुनिया आइसोलेट दुनिया नहीं है। देशों की एक-दूसरे पर निर्भरता बढ़ी है। कहीं से ईंधन के लिए तो कहीं से खाद्यान्न, कहीं दवा, कहीं अन्य किसी वस्तु के लिए निर्भरता बढ़ी है। युद्ध के चलते इंटरनेशनल लॉजिस्टिक सेवाएं प्रभावित हुई है। जहां तक देश की ही बात की जाए तो पेट्रोल, डीजल, एलपीजी आदि की कीमत में बढ़ोतरी का व्यापक प्रभाव पड़ने लगा है। सीधी-सी बात है जब आवागमन महंगा होगा चाहे वह आम आदमी, सार्वजनिक क्षेत्र या लॉजिस्टिक का हो तो उसका सीधा वस्तुओं और सेवाओं पर पड़ेगा ही। यही कारण है ईंधन यानी तेल के भावों में बढ़ोतरी के साथ वस्तुओं और सेवाओं के भाव प्रभावित होने लगे हैं। इसके साथ ही आयात पर निर्भर वस्तुओं के भाव प्रभावित होने लगे हैं।

जहां तक तेल का प्रश्न है, देश में खाद्य तेल और अखाद्य तेल दोनों प्रभावित हो रहे हैं। खाद्य तेलों में भी आयात पर निर्भरता अधिक है। लाख प्रयासों के बावजूद तिलहन मिशन से तिलहनों का उत्पादन तो बढ़ा है पर अभी विदेशी निर्भरता बनी हुई ही है। इसी तरह अन्य वस्तुओं के भाव प्रभावित होने लगे हैं। जहां तक सेवा क्षेत्र का प्रश्न है, स्वीगी-जोमेटो आदि सेवा प्रदाताओं ने पिछले दिनों अपने दामों में 16 फीसदी से भी अधिक की बढ़ोतरी कर दी है। मोबाइल सेवा प्रदाताओं ने प्लानों को रिवाइज किया है तो उबेर-ओला जैसे सेवा प्रदाताओं ने किराया बढ़ा दिया है। साफ है कि लॉजिस्टिक लागत बढ़ेगी तो उसका असर सभी वस्तुओं में देखने को मिलेगा। भारत सरकार वेनेजुएला से वैकल्पिक तरीके से कच्चे तेल लाने का प्रयास कर रही है तो अन्य विकल्प भी खोजे जा रहे हैं। लेकिन कच्चे तेल की आपूर्ति जब तक सामान्य नहीं हो जाती तब तक संकट पूरी तरह से समाप्त होने की कल्पना नहीं की जा सकती। इन वैश्विक हालातों के पीछे अमेरिका-ईरान की हठधर्मिता ही है। अमेरिका-इजराइल ने ईरान से लड़ाई शुरू करते समय रूस-यूक्रेन युद्ध के हालातों से सबक नहीं लिया। रूस के सामने यूक्रेन जैसा देश होने के बावजूद आज तीन साल से भी अधिक समय होने के बावजूद निर्णायक स्तर पर नहीं पहुंचा है। पर अमेरिका ने यह सोचा था कि दो-तीन दिन में ही ईरान को घुटने टिकवा देंगे और यही अमेरिका की नासमझी रही। मानो या न मानो पर वास्तविकता यह है कि आज अमेरिका के सामने अपनी प्रतिष्ठा बनाये रखने का संकट आ गया है और यही कारण है कि अंदरखाने अमेरिका और ट्रंप किसी भी तरह से सीजफायर के लिए प्रयासरत है। इसमें दो राय नहीं कि युद्ध में नुकसान अमेरिका को अधिक हो रहा है। ईरान तो अपने घर से लड़ रहा है और उसके निशाने पर आसपास के देश हैं। ऐसे में स्टेक अमेरिका-इजराइल का ही हो जाता है। इसके अलावा एक बात और समझनी होगी कि ट्रंप ने राष्ट्रपति के तौर पर अपने दूसरे कार्यकाल में आये दिन तुगलकी फरमान जारी कर दुश्मन ही दुश्मन बनाए हैं। दूसरी ओर ट्रंप ने अमेरिका के ही अधिकांश लोगों का भरोसा खो दिया है। ऐसे में सम्मानजनक सीजफायर ही अमेरिका के लिए इस संकट से निकलने का रास्ता रह गया है और इसके लिए ही अंदरखाने प्रयास जारी है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

महंगाई, ऊर्जा सुरक्षा और नीति निर्माण की चुनौती

भारत जैसे विकासशील देश में ऊर्जा केवल आर्थिक गतिविधियों का आधार नहीं है बल्कि सामाजिक गतिशीलता और विकास की भी महत्वपूर्ण शक्ति है। देश का विशाल परिवहन तंत्र, कृषि क्षेत्र, औद्योगिक उत्पादन और सेवा क्षेत्र बड़ी मात्रा में पेट्रोलियम उत्पादों पर निर्भर हैं। ऐसे में जब पेट्रोल की कीमतें बढ़ती हैं, तो उसका प्रभाव अर्थव्यवस्था के लगभग हर क्षेत्र में दिखाई देता है।

डॉ. प्रियंका सौरभ

पिछले कुछ समय से देश के शहरों और गांवों में एक चिंता लगातार सुनाई दे रही है- पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतें। यह चिंता केवल वाहन चलाने वालों तक सीमित नहीं है बल्कि इसका प्रभाव हर उस नागरिक पर पड़ता है जो रोजमर्रा की वस्तुओं और सेवाओं का उपभोग करता है। जब पेट्रोल महंगा होता है तो उसका असर केवल पेट्रोल पंप तक नहीं रहता; वह परिवहन, खाद्य पदार्थों, निर्माण सामग्री, कृषि लागत और घरेलू बजट तक पहुंच जाता है। इसलिए पेट्रोल की कीमतों में वृद्धि आर्थिक के साथ-साथ सामाजिक, राजनीतिक और नीतिगत प्रश्न भी है, जो सरकार, बाजार और नागरिक- तीनों से जुड़ा हुआ है।

भारत जैसे विकासशील देश में ऊर्जा केवल आर्थिक गतिविधियों का आधार नहीं है बल्कि सामाजिक गतिशीलता और विकास की भी महत्वपूर्ण शक्ति है। देश का विशाल परिवहन तंत्र, कृषि क्षेत्र, औद्योगिक उत्पादन और सेवा क्षेत्र बड़ी मात्रा में पेट्रोलियम उत्पादों पर निर्भर हैं। ऐसे में जब पेट्रोल की कीमतें बढ़ती हैं, तो उसका प्रभाव अर्थव्यवस्था के लगभग हर क्षेत्र में दिखाई देता है। यही कारण है कि पेट्रोल के बढ़ते भाव हमेशा जनचर्चा और राजनीतिक बहस का विषय बन जाते हैं। पेट्रोल और डीजल की कीमतों को समझने के लिए सबसे पहले यह जानना आवश्यक है कि भारत अपनी तेल आवश्यकताओं का अधिकांश हिस्सा आयात करता है। देश अपनी कुल कच्चे तेल की जरूरत का 80 प्रतिशत से अधिक विदेशों से खरीदता है। इसका अर्थ यह है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव का सीधा प्रभाव भारतीय उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ता है। यदि वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमत बढ़ती है तो भारत को अधिक भुगतान करना पड़ता है, और उसका असर अंततः खुदरा कीमतों में दिखाई देता है।वैश्विक तेल बाजार केवल आर्थिक कारकों से प्रभावित नहीं होता। इसके पीछे भू-राजनीतिक परिस्थितियां भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। पश्चिम एशिया में तनाव, समुद्री मार्गों की सुरक्षा, प्रमुख तेल उत्पादक देशों की उत्पादन नीतियां, रूस-यूक्रेन संघर्ष जैसे कारक तेल की कीमतों को प्रभावित करते हैं। किसी भी क्षेत्रीय संघर्ष या आपूर्ति संकट का असर कुछ ही दिनों में अंतरराष्ट्रीय बाजार पर दिखाई देने लगता है। भारत जैसे आयात निर्भर देश के लिए यह एक बड़ी चुनौती है क्योंकि घरेलू बाजार को इन परिस्थितियों से पूरी तरह अलग नहीं रखा जा सकता। हालांकि अंतरराष्ट्रीय बाजार एक महत्वपूर्ण कारण है लेकिन पेट्रोल की कीमतों का पूरा सच केवल वहीं तक सीमित नहीं है। भारत में पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में करों की भी बड़ी भूमिका होती है। पेट्रोल की अंतिम कीमत में कच्चे तेल की लागत के अलावा केंद्र सरकार का उत्पाद शुल्क, राज्य सरकारों का मूल्य वर्धित कर (वैट), परिवहन लागत और डीलर कमीशन भी शामिल होता है। यही कारण है कि अलग-अलग राज्यों में पेट्रोल की कीमतें अलग-अलग होती हैं।

तेल पर लगने वाले कर सरकारों के लिए राजस्व का महत्वपूर्ण स्त्रोत हैं। इन करों से प्राप्त आय का उपयोग सड़क निर्माण, बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य, शिक्षा और विभिन्न सामाजिक कल्याण योजनाओं के वित्त पोषण में किया जाता है। लेकिन यही कर आम नागरिकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ भी डालते हैं। जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल महंगा होता है और कर संरचना में कोई राहत नहीं मिलती, तब उपभोक्ताओं को दोहरी मार झेलनी पड़ती है। यही स्थिति अक्सर राजनीतिक बहस का कारण बनती है।पेट्रोल की कीमतों में वृद्धि का सबसे प्रत्यक्ष प्रभाव परिवहन क्षेत्र पर दिखाई देता है। टैक्सी चालक, ऑटो चालक, ट्रक मालिक, बस संचालक और डिलीवरी सेवाओं से जुड़े लाखों लोग बढ़ती लागत का सामना करते हैं। उनके सामने सामान्यतः दो विकल्प होते हैं- या तो बढ़ी हुई लागत को स्वयं वहन करें अथवा किराए और सेवा शुल्क बढ़ाकर उसका भार उपभोक्ताओं पर डाल दें। अधिकांश मामलों में दूसरा विकल्प अपनाया जाता है, जिसके परिणामस्वरूप वस्तुओं और सेवाओं की कीमतें बढ़ने लगती हैं।यहीं से महंगाई का व्यापक प्रभाव शुरू होता है। जब माल ढुलाई महंगी होती है तो सब्जियां, फल, दूध, अनाज, दवाइयां, निर्माण सामग्री और अन्य उपभोक्ता वस्तुएं भी महंगी होती हैं। इस प्रक्रिया को अर्थशास्त्र में लागत-प्रेरित महंगाई कहा जाता है। इसका असर विशेष रूप से मध्यम वर्ग और निम्न आय वर्ग पर पड़ता है, क्योंकि उनकी आय सीमित होती है जबकि खर्च लगातार बढ़ते जाते हैं।ग्रामीण भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमतों का प्रभाव और भी गहरा होता है। खेती-किसानी आज भी बड़ी मात्रा में डीजल आधारित मशीनों और उपकरणों पर निर्भर है। ट्रैक्टर, सिंचाई पंप, कटाई मशीनें और कृषि उत्पादों का परिवहन- सभी में ईंधन की आवश्यकता होती है। जब डीजल महंगा होता है तो कृषि लागत बढ़ जाती है। छोटे और सीमांत किसान, जिनकी आय पहले से ही सीमित होती है, इस बढ़ती लागत का सबसे अधिक बोझ उठाते हैं। इसके अतिरिक्त कृषि उत्पादों को बाजार तक पहुंचाने की लागत भी बढ़ जाती है। अक्सर किसान अपने उत्पादों का मूल्य स्वयं निर्धारित नहीं कर पाते और उन्हें बिचौलियों या थोक व्यापारियों पर निर्भर रहना पड़ता है। ऐसे में परिवहन लागत बढ़ने का दबाव किसानों की आय को और कम कर सकता है। परिणामस्वरूप ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर दोहरा प्रभाव पड़ता है- उत्पादन लागत बढ़ती है और लाभ घटता है। शहरी मध्यम वर्ग भी इस महंगाई से अछूता नहीं रहता। आज का शहरी जीवन डिजिटल सेवाओं, ऑनलाइन खरीदारी, भोजन वितरण और निजी परिवहन पर काफी हद तक निर्भर हो चुका है। लेकिन इन सभी सेवाओं के पीछे परिवहन लागत एक महत्वपूर्ण तत्व है। चाहे कोई ऑनलाइन भोजन मंगाए या ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म से सामान खरीदें, अंततः उसे पहुंचाने वाला वाहन ईंधन पर ही निर्भर होता है। इसलिए पेट्रोल की कीमतों में वृद्धि धीरे-धीरे उपभोक्ता के दैनिक खर्च को बढ़ाती जाती है।

पेट्रोल की बढ़ती कीमतों पर चर्चा करते समय एक महत्वपूर्ण प्रश्न यह भी उठता है कि भारत ऊर्जा सुरक्षा के क्षेत्र में कितना आत्मनिर्भर है। पिछले वर्षों में सरकार ने रणनीतिक तेल भंडार विकसित करने और ऊर्जा स्त्रोतों में विविधता लाने के प्रयास किए हैं। इससे आपूर्ति संकट की स्थिति में कुछ राहत मिल सकती है लेकिन यह दीर्घकालिक समाधान नहीं है। जब तक देश आयातित तेल पर अत्यधिक निर्भर रहेगा, तब तक वैश्विक बाजार की अस्थिरता का प्रभाव घरेलू अर्थव्यवस्था पर पड़ता रहेगा।

यहीं से ऊर्जा स्वाधीनता का प्रश्न सामने आता है। ऊर्जा स्वाधीनता का अर्थ केवल घरेलू तेल उत्पादन बढ़ाना नहीं है बल्कि वैकल्पिक ऊर्जा स्त्रोतों को मजबूत करना भी है। सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, जैव ईंधन और विद्युत आधारित परिवहन व्यवस्था इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। भारत ने नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है लेकिन अभी लंबा रास्ता तय करना बाकी है। परिवहन नीति भी इस पूरे विमर्श का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यदि सार्वजनिक परिवहन प्रणाली मजबूत, सुलभ और भरोसेमंद हो तो निजी वाहनों पर निर्भरता कम की जा सकती है। मेट्रो, बस रैपिड ट्रांजिट, उपनगरीय रेल और सुरक्षित साइकिल मार्ग जैसे विकल्प न केवल ईंधन की खपत कम कर सकते हैं बल्कि प्रदूषण और यातायात जाम जैसी समस्याओं को भी कम कर सकते हैं। दुर्भाग्यवश, देश के अनेक शहरों और अधिकांश ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसी सुविधाओं का अभाव अभी भी महसूस किया जाता है। इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने की नीति भी इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण है। पेट्रोल और डीजल पर निर्भरता कम करने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों को भविष्य का विकल्प माना जा रहा है। उनकी स्वीकार्यता बढ़ रही है लेकिन चार्जिंग अवसंरचना, बैटरी लागत और ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंच जैसी चुनौतियां अभी भी मौजूद हैं। यदि सरकारें इस क्षेत्र में निवेश बढ़ाती हैं और आवश्यक बुनियादी ढांचा विकसित करती हैं तो आने वाले वर्षों में तेल पर निर्भरता को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

बाबा बफार्नी के दर्शन का क्या है महत्व?

अमरनाथ यात्रा का नाम सुनते ही हमारे में भगवान शिव की पवित्र गुफा का चित्र उभर आता है। हर साल हजारों-लाखों की संख्या में श्रद्धालु अमरनाथ यात्रा और बाबा बफार्नी के दर्शन के लिए आते हैं। जो भी भक्त सच्चे मन से इन यात्रा को पूरा करता है, उसकी हर मनोकामना पूरी होती है। अमरनाथ की यह पवित्र गुफा जम्मू-कश्मीर के हिमालय में करीब 12,756 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। हर साल सावन महीने में यहां पर भगवान शिव के स्वयंभू हिमलिंग के दर्शन होते हैं। माना जाता है कि जब भगवान शिव ने मां पार्वती को अमरत्व के रहस्य के बारे में बताया था, तब यह गुफा उनके संवाद की साक्षी बनी थी। इसी कारण से इस गुफा को अमरनाथ कहा जाता है। तो आइए जानते हैं

अमरनाथ गुफा और बाबा बफार्नी के दर्शनों के महत्व के बारे में...

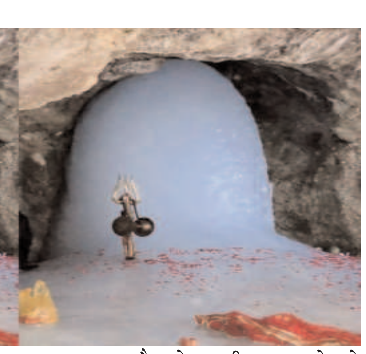

अनुशासन और सेवा की झलक देखने को मिलती है।

अमरनाथ यात्रा

बता दें कि अमरनाथ यात्रा का सिर्फ धार्मिक ही नहीं बल्कि आध्यात्मिक महत्व भी बड़ा है। ऊंचाई पर कम ऑक्सीजन, कठिन रास्ते और ठंड के बावजूद भक्त यहां पहुंचते हैं। जोकि उनके अटूट विश्वास और श्रद्धा को दिखाता है। इस यात्रा में धैर्य, आस्था,

धार्मिक महत्व

पुराणों के मुताबिक अमरनाथ गुफा वह जगह है, जहां पर भगवान शिव ने मां पार्वती को अमर कथा सुनाई थी। इस अमर कथा को सुनने के बाद भी जो जीव जीवित रह जाता है, वह अमर हो जाता है। इसलिए महादेव ने यहां पर सबकुछ त्याग दिया था और फिर मां पार्वती को अमर कथा सुनाई थी। बताया जाता है कि भगवान शिव के अपने वाहन नंदी, नागों और गणों को भी दूर भेज दिया था, जिससे कोई और इस रहस्य को न सुन सके। लेकिन एक कबूतर के जोड़े ने इस कथा को सुन लिया था और तब से माना जाता है कि वह आज भी अमर हैं। इस कथा की वजह से इस गुफा को अमरनाथ गुफा कहते हैं।

अमरनाथ यात्रा के फायदे

माना जाता है कि अमरनाथ यात्रा करने से जातक के जीवन के सभी पाप समाप्त हो जाते हैं।

अमरनाथ यात्रा को मोक्ष प्राप्ति का भी मार्ग माना जाता है।

भगवान शिव का आशीर्वाद और कृपा प्राप्त होती है, जिससे जीवन के रोग, दुख और कष्ट दूर हो जाते हैं।

अमरनाथ यात्रा में कठिनाइयों का सामना करने से व्यक्ति का मन मजबूत होता है और उसको भीतरी शांति मिलती है।

शिवभक्तों के बीच में रहकर भजन-कीर्तन सुनकर भक्ति और विश्वास कई गुना बढ़ जाता है।

क्यों खास है यात्रा

अमरनाथ यात्रा की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यहां पहुंचने के लिए लोगों को 30 से 40 किमी की कठिन चढ़ाई करनी पड़ती है। कई जगह पर रास्ते संकरे और फिसलन भरे होते हैं। वहीं यहां पर ठंड इतनी अधिक होती है कि कई बार टेंपरेचर माइनस में चला जाता है। लेकिन इसके बाद भी हर मुश्किल को पार करके श्रद्धालु बाबा बफार्नी के दर्शन के लिए आते हैं।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची, (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :**
www.metrorays.in
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

एक ही रात में अलग अलग घरों से दस मोबाइल की हुई चोरी

साहिबगंज : बरहेट थाना क्षेत्र के सोना जोड़ी धन जोड़ी गांव में एक ही रात में 11 मोबाइल फोन चोरी का मामला प्रकाश में आया है। जो एक हैरान करने वाली घटना है। घटना है कि थाना क्षेत्र के सोनाजोरी धन जोड़ी गांव में बीते रात्रि यानी कि बुधवार रात्रि लगभग 11 मोबाइल की हुई चोरी एक साथ हुई। मोबाइल की चोरी दुकान से नहीं बल्कि अलग-अलग घरों से अलग-अलग मोबाइल की चोरी हुई है। इस घटना से गांव के लोगों में काफी दहशत है।गांव के पीड़ितों के अनुसार मोबाइल चोर एक ही रात में 11 मोबाइल की चोरी की। जिसमें अलग-अलग घरों से चोरी की गई है। चोर किधर से घुसा और कब मोबाइल लेकर भाग इनमें से एक भी पीड़ित को कुछ जानकारी नहीं । बरहेट थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच कर रही है।

जनजातीय समाज के संरक्षण के लिए एक ऐतिहासिक व सराहनीय निर्णय है : संत कुमार

साहिबगंज : केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा हाई लेवल कमिटी ओन डेमोग्राफी चेंज जनसंख्यिकीय परिवर्तन पर उच्च स्तरीय समिति के गठन की घोषणा का हिन्दू धर्म रक्षा मंच ने पुरजोर स्वागत किया है।इस बाबत मंच के केन्द्रीय अध्यक्ष संत कुमार घोष ने इस ऐतिहासिक निर्णय के लिए केंद्रीय गृह मंत्री को आधिकारिक ईमेल के माध्यम से एक विशेष धन्यवाद एवं आभार पत्र भेजा है।उन्होंने कहा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के द्वारा हाई लेवल कमिटी ओन डेमोग्राफी चेंज के गठन की आधिकारिक घोषणा का हिन्दू धर्म रक्षा मंच की ओर से हम हार्दिक अभिनंदन और स्वागत करते हैं।

52 ग्राम ब्रॉउन शुगर के साथ चार अंतर्राज्यीय तस्कर गिरफ्तार

साहिबगंज/पतना : रांगा थाना पुलिस ने अवैध नशीली पदार्थो के कारोबार पर शिकंजा कसते हुए तस्करों पर कड़ा कानूनी प्रहार करने में सफलता हासिल की है।एक मारुति वैगन-आर कार से अवैध रूप से ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री कर रहे चार अंतर्राज्यीय तस्करों को रंगे हाथ गिरफ्तार कर गुरुवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है,जिसमें तीन बिहार राज्य के तस्कर भी शामिल है।

रांगा थाना कार्यालय परिसर में बरहरवा एसडीपीओ नितिन खंडेलवाल ने प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम दिया,उन्होंने बताया कि साहिबगंज पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह के निर्देश पर लगातार नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत गुप्त सूचना के आलोक में उक्त कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में ब्राउन शुगर, इलेक्ट्रॉनिक तराजू, नगदी और तस्करी में इस्तेमाल होने वाली कार जब्त की है।उन्होंने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी की रांगा थाना क्षेत्र अंतर्गत विजयपुर-मयूरझूंटी रोड के किनारे सुनसान जंगल-झाड़ी के पास एक मारुति वैगन-आर गाड़ी में कुछ लोग अवैध रूप से ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री कर रहे हैं।सूचना मिलते ही मामले की जानकारी वरीय पदाधिकारियों को दी गई। निर्देश के आलोक में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बरहरवा नितिन खंडेलवाल के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उक्त स्थान पर दबिश दी और घेराबंदी कर कार में सवार चार व्यक्तियों को दबोच लिया। वहीं अभियुक्तों की तलाशी के दौरान मौके से सिल्वर रंग का एक पीस डिजिटल वजन मशीन, पारदर्शी प्लास्टिक पैकेट में गीला ब्राउन शुगर (वजन- 52 ग्राम प्लास्टिक सहित ,सिल्वर फॉयल में लपेटे हुए 17 अदद ब्राउन शुगर के पैकेट वजन- 3.6 ग्राम फॉयल सहित, ब्राउन शुगर सेवन के लिए भूरे रंग का पेपर कटिंग 50 अदद एक गुलाबी रंग का लाइट, दो पीस टूटा हुआ ब्लेड और पीला रंग का ब्राउन शुगर निकालने वाला एक चम्मच सहित अन्य समाग्री बरामद कर मलिक को लेकर रांगा थाना कांड संख्या 48/2026 भारतीय न्याय संहिता -2023 की धारा 303(2)/317(2)/3(5) एवं 21 बी एनडीपीएस एक्ट 1985 के तहत पंजीकृत कर गिरफ्तार अभियुक्त संजय कुमार वर्मा 34 वर्ष साकिन- तलबड़िया, थाना- रांगा, जिला- साहिबगंज स्थायी पताः साकिन- श्यामपुर, थाना- कहलगॉव, जिला- भागलपुर, बिहार,लाल मोहन साह 26 वर्ष साकिन- तेलीपाड़ा, थाना- बरहरवा, जिला- साहिबगंज, राजेश पासवान 45 वर्ष साकिन- कहलगॉव वार्ड नं०- 16, थाना- कहलगॉव, जिला- भागलपुर बिहार, संजीत कुमार 39 वर्ष पिता- रामनाथ तिवारी, साकिन- कहलगॉव पूरब टोला वार्ड नं०-15, थाना- कहलगॉव, जिला- भागलपुर बिहार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।पूछताछ के दौरान गिरफ्तार आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे अवैध रूप से ब्राउन शुगर की यह खेप पश्चिम बंगाल के मालदा स्थित कलियाचक से ट्रेन के माध्यम से लाते हैं।इसके बाद वे इसे आस-पास के क्षेत्रों में ऊंचे दामों पर सप्लाई करते थे। छापेमारी दल में मुख्य रूप से अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी नितिन खंडेलवाल, पुलिस निरीक्षक बरहरवा संतोष कुमार, रांगा थाना प्रभारी अखिलेश कुमार यादव,एस आई गौरव भगत,महेश कुमार, एएसआई कामेश्वर मरांडी,घाव प्रसाद मिश्रा सहित थाना रिजर्व गार्ड शामिल थे।

बिना बताए पुत्र रात में घर से कहीं चला गया

बरही : आधी रात को बिना किसी को बताए घर से कहीं चले जाने वाले राहुल कुमार पिता राजू यादव का पता नहीं चल सका है। राहुल की मां रीना देवी ने पुत्र को खोजने के लिए बरही थाना में आवेदन दिया है। रीना देवी ने बताया कि मंगलवार की रात परिवार के सभी लोग खा पीकर छत पर सो रहे थे। रात के 2:30 बजे जब उसकी नींद खुली तो छत पर राहुल को नहीं देखा। रीना देवी छत से नीचे उतरकर घर के कमरों में उसकी खोज की लेकिन वह कहीं नहीं मिला। रात में ही अपने परिजनों के साथ गांव में उसकी खोजबीन करने पर भी वह नहीं मिला। पता करने के लिए अपने संबंधियों को भी फोन किया लेकिन उन्होंने भी उसके नहीं आने की बात कही। रीना देवी ने बताया है कि राहुल अपने कपड़े और बैग लेकर घर से निकला है। उसने पुलिस से उसकी खोजबीन करने का निवेदन किया है।

डीजल की निर्बाध आपूर्ति के निर्देश

हजारीबाग : जिले में भीषण गर्मी और लू की तपिश को देखते हुए जिला प्रशासन ने आम जनजीवन और आवश्यक सेवाओं को सुचारू बनाए रखने के लिए कमर कस ली है। प्रशासन ने सभी तेल कंपनियों को सख्त निर्देश जारी किए हैं कि अस्पताल, मिल्क वैन और अन्य आपातकालीन सेवाओं के लिए डीजल की नियमित और निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

जांच के दौरान पुलिस ने घटना में संलिप्त मुख्य आरोपी सनत टुड्डू को किया गिरफ्तार

संवाददाता

साहिबगंज : मिजाचौकी थाना क्षेत्र में हुए चर्चित हत्याकांड का पुलिस ने उद्भेदन करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से मृतक का मोबाइल फोन भी बरामद कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजे जाने की प्रक्रिया की जा रही है। मिली जानकारी अनुसार इस मामले में मृतक की पत्नी तानी चोड़े 35 के लिखित आवेदन पर अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध मिजाचौकी थाना कांड संख्या 48/26 भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) के तहत मामला दर्ज किया गया था। आवेदन में उन्होंने अपने पति मरांग टुड्डू 41 की हत्या किए जाने का आरोप लगाया था। मृतक एवं उसकी पत्नी मूल रूप से बिहार के भागलपुर जिला अंतर्गत कटहल टोला सरकण्डा, थाना

ईशीपुर बाराहाट के निवासी बताए गए हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गुप्त सूचना, तकनीकी साक्ष्य एवं अन्य बिंदुओं पर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने घटना में संलिप्त मुख्य आरोपी सनत टुड्डू को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के पास से मृतक का मोबाइल फोन भी बरामद किया है जो घटना के बाद से गायब था। इसके अलावा अपराध में इस्तेमाल आरोपी का मोबाइल फोन भी जब्त किया गया है। पुलिस का मानना है कि मोबाइल से कई अहम सुराग मिल सकते हैं। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सनत टुड्डू (23), निवासी कटहल टोला, सरकण्डा, थाना ईशीपुर बाराहाट, जिला भागलपुर (बिहार) के रूप में हुई है। आरोपी भी मृतक के ही गांव का रहने वाला बताया जा रहा है। इस कार्रवाई में पुअनि रूपेश कुमार यादव, पुअनि प्रवीण कुमार प्रभाकर, पुअनि विक्रम कुमार बाउरी सहित मिजाचौकी थाना के सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

पत्रकारों की सुरक्षा और सम्मान के लिए राष्ट्रीय स्तर पर बने कमिटी : प्रीतम भाटिया

राष्ट्रपति प्रधानमंत्री नेता प्रतिपक्ष और राष्ट्रीय अध्यक्ष को जेल एसएमजेडब्ल्यूए ने लिखा पत्र

संवाददाता

साहिबगंज : ऑल इंडिया स्मॉल एंड मीडियम जर्नलिस्ट वैलफेयर एसोसिएशन के राष्ट्रीय महासचिव प्रीतम सिंह भाटिया ने आज देश के राष्ट्रपति,प्रधानमंत्री,नेता प्रतिपक्ष और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष को एक पत्र लिखा है।पत्र के माध्यम से उन्होंने देश में पत्रकारों की सुरक्षा और सम्मान के लिए राष्ट्रीय स्तर पर एक कमिटी बनाने का सुझाव दिया है।श्री भाटिया ने देश में पत्रकारों की स्वतंत्रता,सम्मान और सुरक्षा का हवाला देते हुए वर्तमान परिस्थितियों में बढ़ रहे फर्जी मामलों,शोषण और हत्याओं के बढ़ते आंकड़ों पर चिंता जताई है.उन्होने कहा कि विश्व में भारतीय पत्रकारों की स्वतंत्रता के मामलों की रैंकिंग को ध्यान में

रखते हुए एक ऐसी कमिटी तैयार हो जिसकी रिपोर्ट एक वर्ष तक विभिन्न राज्यों में पत्रकारों की दशा व दिशा पर आधारित हो.उन्होने इस कमिटी में सत्ता और विपक्ष के नेताओं के अलावा सेवानिवृत्त जजों अधिवक्ताओं और वरिष्ठ पत्रकारों को शामिल करने का सुझाव दिया है.साथ ही यह भी सुझाव दिया है कि इस कमिटी के एक वर्ष तक पत्रकारों की दुर्दशा पर अध्ययन का उद्देश्य पत्रकार सुरक्षा कानून बनाना हो.श्री भाटिया ने कहा कि वर्तमान परिप्रेक्ष्य में पत्रकारों को व्यवस्था और भ्रष्टाचार के खिलाफ लिखने पर कई तरह के संकटों का सामना करना पड़ रहा है.आए दिन पत्रकारों को फर्जी मामलों में फंसाने से लेकर हत्या तक हो जा रही है.उन्होने अपने पत्र में अनुरोध किया है कि डिजीटल क्रांति का दुरपयोग भी पत्रकारिता में बढ़ गया है इसलिए फर्जी पत्रकारों की बढ़ती संख्या पर रोक लगाना भी जरूरी है.बता दें कि बतौर पत्रकार संगठन एएल एस एमजेडब्ल्यूएके राष्ट्रीय महासचिव के तौर पर विभिन्न राज्यों में श्री भाटिया झारखंड के अलावा अन्य राज्यों में भी लगातार विभिन्न मंचों और मांग पत्र से पत्रकार सुरक्षा कानून का मुद्दा उठाते आ रहें हैं।श्री भाटिया ने अपने 15 दिनों की धार्मिक यात्रा के दौरान शिरडी साईं मंदिर में भी दर्शन के लिए आए राघव चढ्ढा,रामदास अठावले और शिवसेना उद्धव गुट के विधायकों से पत्रकार सुरक्षा कानून के मुद्दे पर चर्चा की है.हालांकि सभी ने श्री भाटिया को आश्वस्त किया कि वे इस मुद्दे पर गंभीर हैं और संसद,राज्यसभा व विधानसभाओं में इस कानून पर चर्चा भी करना चाहते हैं।

शांतिपूर्ण माहौल में अदा की गयी ईद-उल-अजहा की नमाज

संवाददाता

साहिबगंज : बरहरवा प्रखंड के आहुतग्राम ईदगाह में ईद-उल-अजहा बकरीद की नमाज शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं आपसी भाईचारे के माहौल में अदा की गयी। नमाज के दौरान क्षेत्र में अमन, शांति और खुशहाली की दुआ मांगी गयी। इस अवसर पर पूर्व मंत्री आलमगीर आलम और झारखंड प्रदेश कांग्रेस महासचिव डॉ. तनवीर आलम ने आहुतग्राम ईदगाह पहुंचकर ग्रामीणों के साथ सामूहिक नमाज अदा की। नमाज के बाद दोनों नेताओं ने लोगों से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी और समाज में भाईचारा, प्रेम और एकता बनाये रखने का संदेश दिया। पूर्व मंत्री आलमगीर आलम ने कहा कि ईद-उल-अजहा त्याग, बलिदान और इंसानियत का पर्व है, जो हमें आपसी प्रेम और सद्भाव के साथ रहने की प्रेरणा देता है। उन्होंने सभी क्षेत्रवासियों एवं झारखंडवासियों को ईद-उल-अजहा की दिली मुबारकबाद देते हुए सभी के सुख, शांति समृद्धि की कामना की। ईदगाह परिसर में नमाज को लेकर प्रशासनिक व्यवस्था भी चुस्त-दुरुस्त रही। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद मुबारक कहा और पर्व की खुशियां साझा की है।

छात्रा से छेड़छाड़ का विरोध करने पर घर में घुसकर मारपीट का आरोप

संवाददाता

साहिबगंज : राजमहल थाना क्षेत्र के जयराडंगा गांव की एक छात्रा ने स्थानीय युवक समेत चार लोगों पर रास्ते में रोक कर छेड़छाड़, दुष्कर्म का प्रयास गला दबाकर जान मारने की कोशिश और बाद में घर पर चढ़कर मारपीट और धमकी देने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता ने मामले को लेकर पुलिस अधीक्षक साहिबगंज को लिखित आवेदन देकर न्याय और सुरक्षा की गुहार लगाई है।पीड़िता लखी कुमारी, पिता निर्मल शाह, निवासी जयराडंगा, पोस्ट कल्याणचक ने अपने आवेदन में बताया है कि वह 25 मई 2026 को बरहरवा कॉलेज से परीक्षा देकर वापस घर लौट रही थी। दोपहर करीब डेढ़ बजे कल्याणचक स्टेशन से घर आने के दौरान रास्ते के एक सुनसान स्थान पर गांव के ही मुन्ना यादव ने उसे रोक लिया। आरोप है कि आरोपी ने उसके साथ छेड़छाड़ करते हुए जबरन दबोच लिया व दुष्कर्म का प्रयास किया।विरोध करने पर आरोपी ने उसके आंख के पास मारपीट की, जिससे आंख के चारों ओर सूजन और कालापन आ गया।आवेदन के अनुसार आरोपी ने छात्रा का गला दबाकर जान मारने की भी कोशिश की, जिससे उसकी हालत बिगड़ने लगी। इसी बीच रास्ते से कुछ लोगों के आने की आहट सुन आरोपी वहां से फरार हो गया।पीड़िता किसी तरह घर पहुंची और घटना की जानकारी अपने परिजनों को दी।इसके बाद जब परिजन आरोपी के घर शिकायत करने पहुंचे तो आरोप है कि मुन्ना यादव गणेश यादव और रोहित यादव एकजुट होकर पीड़िता के घर पहुंच गए और गाली-गलौज करते हुए परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट की। जाते समय आरोपियों ने पुलिस में शिकायत करने पर पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी।पीड़िता ने अपने आवेदन में यह भी उल्लेख किया है कि आरोपियों पर पूर्व में भी गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हो चुके हैं। घटना के बाद से पीड़िता और उसका परिवार भय और दहशत में जी रहा है।

शतचंडी महायज्ञ सामाजिक एकता आस्था और सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक है : आलोक

संवाददाता

साहिबगंज : शहर के स्थानीय वायसी स्थान प्रांगण में आगामी 8 जून को आयोजित होने वाले भव्य शतचंडी महायज्ञ की तैयारियां तेज हो गई हैं। महायज्ञ को ऐतिहासिक सुव्यवस्थित एवं सफल बनाने के उद्देश्य से गुरुवार को बैठक कर शुक्रवार को एक वृहद बैठक बुलाई गई है।बैठक वायसी स्थान के प्रांगण में होगी।मिली जानकारी अनुसार बैठक में महायज्ञ के सफल संचालन के लिए एक विशेष कार्यसमिति का गठन किया जाएगा। बैठक में महायज्ञ की संपूर्ण रूपरेखा तैयार करने के साथ-साथ विभिन्न व्यवस्थाओं की जिम्मेदारियां भी तय की जाएंगी।आयोजकों ने बताया कि भंडारा,सुरक्षा व्यवस्था,यज्ञशाला प्रबंधन,अतिथि सत्कार,साफ-सफाई एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के संचालन हेतु अलग-अलग टीमों का गठन किया जाएगा।ताकि कार्यक्रम को व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराया जा सके।महायज्ञ समिति के सदस्यों स्थानीय प्रबुद्ध जनों ने क्षेत्रवासियों सनातन धर्मावलंबियों सामाजिक कार्यकर्ताओं व युवाओं से बैठक में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है।आयोजकों ने कहा कि यह धार्मिक आयोजन केवल एक अनुष्ठान नहीं बल्कि सामाजिक एकता,आस्था और सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक है।मौके पर आलोक ओझा, प्रेम लाल यादव, जुगनू पाठक, राजू यादव, नन्हे ओझा, विकास यादव,धर्मेन्द्र यादव, कालू यादव, दिहारी यादव, पोषण यादव, विजय सिंह आदि मौजूद थे।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण अभियान के प्रथम चरण का हुआ समापन

संवाददाता

साहिबगंज : भारतीय जनता पार्टी जिला साहिबगंज द्वारा आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण अभियानह्व के अंतर्गत 28 एवं 29 मई को आयोजित प्रथम चरण के प्रशिक्षण कार्यक्रम भाजपा जिला अध्यक्ष गौतम कुमार यादव की अध्यक्षता में आरम्भ हुआ।कार्यक्रम में जिले के विभिन्न मंडलों से आए कार्यकताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।प्रशिक्षण अभियान का उद्देश्य संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना,कार्यकताओं में वैचारिक स्पष्टता लाना तथा संगठनात्मक कार्यशैली को और अधिक प्रभावी बनाना रहा।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा संगठन महामंत्री झारखंड कर्मवीर सिंह ने ह्लविचार परिवारह्व विषय पर विस्तृत व्याख्यान देते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी केवल एक राजनीतिक संगठन नहीं, बल्कि राष्ट्र सेवा और वैचारिक मूल्यों पर आधारित एक परिवार है।उन्होंने कार्यकताओं से संगठन की रीति-नीति को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का आह्वान किया।विशिष्ट अतिथि भाजपा प्रदेश महामंत्री गणेश मिश्रा ने कार्यकर्ता विकास,संभाल एवं दायित्व विषय पर संबोधित करते हुए कहा कि संगठन की वास्तविक शक्ति उसके समर्पित कार्यकर्ता होते हैं। उन्होंने कार्यकताओं को अनुशासन, समर्पण एवं जनसेवा की भावना के साथ कार्य करने की प्रेरणा दी।भाजपा झारखंड के प्रदेश मंत्री शैलेन्द्र कुमार सिंह ने व्यावहारिक सत्र को संबोधित करते हुए संगठनात्मक कार्यशैली एवं जनसंपर्क के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की।वहीं श्री अनुग्रहित प्रसाद साह ने ह्लकार्य विस्तार की हमारी दृष्टिह्व विषय पर कार्यकताओं का मार्गदर्शन किया।प्रशिक्षण अभियान के उद्घाटन सत्र का शुभारंभ भाजपा

जिला अध्यक्ष गौतम यादव,भाजपा झारखंड के संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह,प्रदेश महामंत्री गणेश मिश्रा,पूर्व भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं राजमहल के पूर्व विधायक अनंत ओझा,गणेश प्रसाद तिवारी,पूर्व जिला अध्यक्ष उज्ज्वल मंडल,प्रदीप अग्रवाल,रणधीर सिंह सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।कार्यक्रम में प्रभारी बबलू भगत,संयोजक कुसमाकर तिवारी,सह संजोयजक राजेश मंडल एवं मंच संचालक कृपानाथ मंडल उर्फ बमबम मंडल ने किया।समापन अवसर पर सभी कार्यकताओं ने संगठन को मजबूत बनाने,समाज सेवा के कार्यों को गति देने और राष्ट्रहित में निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया।अंत में जिला नेतृत्व द्वारा कार्यक्रम को सफल बनाने वाले सभी पदाधिकारियों,प्रशिक्षकों एवं कार्यकताओं के प्रति आभार व्यक्त किया गया।इस अवसर पर जिला महामंत्री धनंजय मंडल, सलखु सोरेन, सोनेलाल ठाकुर, खगेन्द्र साह, रमिता तिवारी,चौकीदार हासदा, गरिमा साह, रामानंद साह,[दिनेश पांडे, सुनील सिंह, धर्मेंद्र ठाकुर, चांदनी देवी, सागर मंडल,अजय चौधरी,बप्पी निर्मल साह, उषा भारती,संजीव गुप्ता,गौतम पंडित, धर्मेंद्र मंडल,बिनोद चौधरी, अनुराग राहुल, दीपक चंद्रवंशी,शेखर बर्मन,चिरंजीव सरकार,पिंटू घोष, मनोज ठाकुर,उदय मंडल चंदन श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जून में अक्षय-अजय देवगन मारेंगे एंट्री

'वेलकम' या 'धमाल' फ्रेंचाइजी में कौन है आगे?

अक्षय कुमार और अजय देवगन का वर्किंग स्टाइल एक जैसा है. जहां वो साल भर में 3-4 फिल्में रिलीज कर देते हैं. तो वहीं, कॉमेडी के साथ ही एक्शन फिल्मों में भी धूम मचाते हैं. दोनों काफी अच्छे दोस्त हैं और साथ में काम करते भी दिखे हैं. जल्द ही एक बार फिर एक दूसरे से भिड़ते दिखेंगे. इस साल के एंड में दोनों का बॉक्स ऑफिस पर क्लैश होगा. पर उससे पहले जून में आएंगे. पहले जानिए 'वेलकम' या 'धमाल' फ्रेंचाइजी में कौन आगे है?

एक तरफ अजय देवगन हैं, तो दूसरी ओर अक्षय कुमार... जो इस वक्त अपनी अगली फिल्म का तेजी से काम निपटा रहे हैं. इस साल अबतक अजय की कोई भी फिल्म रिलीज नहीं हुई है, जबकि अक्षय के लिए 'भूत बंगला' ने कमाल कर दिया. यूं तो दोनों ही एक्टर्स बहुत अच्छे दोस्त हैं और दोनों का वर्किंग पैटर्न भी बिल्कुल एक जैसा है. कभी एक्शन, तो कभी कॉमेडी फिल्मों में धमाल. वहीं, साथ में भी काम कर रहे हैं, दोनों 'गोलमाल 5' में अगले साल नजर आएंगे. दोनों की फिल्मों का इंतजार हो रहा है. पर दोनों ऐसे एक्टर्स हैं, जिनकी फिल्मों का बॉक्स ऑफिस पर खूब क्लैश होता है. खैर, जून में जहां अजय 'धमाल 4' लेकर आ रहे हैं. तो दूसरी ओर अक्षय की 'वेलकम टू द जंगल' रिलीज होगी. अब जानिए कौन सी फ्रेंचाइजी सबसे आगे है?

इस साल अक्षय कुमार और अजय देवगन का बस एक बार ही क्लैश होगा. जहां दिसंबर में अजय देवगन पहले हफ्ते में अपनी 'रेंजर' लेकर आ रहे हैं. तो दूसरी ओर अक्षय कुमार और अनीस बज्मी ने भी बड़ी तैयारी कर ली है. वो अपनी अनटाइटल्ड पारिवारिक कॉमेडी को 4 दिसंबर, 2026 को रिलीज करेंगे. पर जून में फिलहाल कोई क्लैश नहीं होने वाला है. जी हां, कॉमेडी फिल्म 'धमाल 4' 17 जुलाई को आएगी. जबकि, अक्षय की 'वेलकम टू द जंगल' को 26 जून को लाया जाएगा.

वेलकम फ्रेंचाइजीः

अक्षय कुमार की वेलकम फ्रेंचाइजी में अब तक दो फिल्में रिलीज हुई हैं. वहीं, अब तीसरी फिल्म रिलीज होने वाली है. साल 2007 में पहली फिल्म रिलीज हुई थी. जिसमें अक्षय कुमार, कटरीना कैफ, अनिल कपूर, नाना पाटेकर, परेश रावल समेत कई एक्टर्स ने काम किया था. साथ ही फिल्म ने 119.50 करोड़ का कलेक्शन किया था. फिर साल 2015 में सीक्वल लाया गया. इस बार अक्षय कुमार नहीं थे, उनकी जगह जॉन अब्राहम, श्रुति हासन, अनिल कपूर, नाना पाटेकर, परेश रावल, नसीरुद्दीन शाह दिखे. जबकि, फिल्म ने 167.37 करोड़ रुपये का कारोबार किया था. जिसका टोटल कलेक्शन 287 करोड़ के आसपास होता है.

धमाल फ्रेंचाइजी

शुरुआत करते हैं अजय देवगन की 'धमाल' फ्रेंचाइजी से. इस फ्रेंचाइजी में अब तक तीन फिल्में रिलीज हो चुकी हैं. वहीं, चौथी फिल्म पाइपलाइन में है, जिसकी रिलीज पहले ही शेड्यूल है. साल 2007 में पहली फिल्म 'धमाल' आई थी, जिसमें संजय दत्त, रितेश देशमुख, अरशद वारसी, जावेद जाफरी और आशीष चौधरी ने काम किया था. और फिल्म का अजय देवगन हिस्सा नहीं थे. उस पिक्चर ने दुनियाभर से 51 करोड़ का बिजनेस किया था. साथ ही 2011 में 'डबल धमाल' आई, जिसमें संजय दत्त, रितेश देशमुख, अरशद वारसी, जावेद जाफरी, आशीष चौधरी, मल्लिका शेरावत और कंगना रनौत ने भी काम किया. फिल्म ने 70 करोड़ के आसपास कारोबार किया था.

वहीं, 'टोटल धमाल' को 2019 में लाया गया. इस बार अजय देवगन, माधुरी दीक्षित, अनिल कपूर, रितेश देशमुख, अरशद वारसी की टीम दिखी. फिल्म ने 232.18 करोड़ से ज्यादा कमाए और टोटल पूरे फ्रेंचाइजी ने 353 करोड़ से ज्यादा कमा लिए हैं.

अभिनेता राजकुमार राव और उनकी पत्नी पत्रलेखा इन दिनों अपनी फिल्म 'रफ्तार' को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म पहले जुलाई में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इसकी नई रिलीज डेट सामने आई है।

राजकुमार-पत्रलेखा ने बदली 'रफ्तार' की रिलीज डेट

रिलीज डेट बदलने की जानकारी दोनों ने भावुक अंदाज में सोशल मीडिया पर साझा की, जिसने फैंस का ध्यान खींच लिया। राजकुमार राव और पत्रलेखा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक ज्वाइंट पोस्ट शेयर किया। इस पोस्ट में फिल्म का नाम बड़े अक्षरों में लिखा गया है। दोनों ने अपने कैप्शन में बताया कि 'रफ्तार' उनके लिए सिर्फ एक फिल्म नहीं है, बल्कि थिएटर की दुनिया में उनका पहला बड़ा कदम है। पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा, ''सपनों को तैयार होने में समय लगता है, लेकिन उन सपनों को जीने के लिए उससे भी ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। 'रफ्तार' हमारे लिए किसी सपने से कम नहीं है। यह हमारे विश्वास, संघर्ष और मेहनत का नतीजा है। जब कोई चीज इतनी खास और दिल के करीब हो, तो उसे सही तरीके से तैयार होने के लिए समय देना जरूरी हो जाता है। इसी वजह से हमने फिल्म की रिलीज डेट आगे बढ़ाने का फैसला लिया।'' राजकुमार और पत्रलेखा ने अपने पोस्ट में कहा, ''जब दर्शक 'रफ्तार' देखेंगे, तो उन्हें हर उस इंसान की मेहनत और संघर्ष नजर आएगा, जो अपने सपनों को पूरा करने के लिए लगातार भागदौड़ करता है। फिल्म में महत्वाकांक्षा, डर, उम्मीद और जिंदगी में आगे बढ़ने की जिद जैसे इमोशन्स देखने को मिलेंगे। अपने पोस्ट में दोनों ने फैंस का धन्यवाद भी किया। उन्होंने कहा, 'दर्शकों का प्यार और समर्थन ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है, और अब हम अपनी इस खास फिल्म को दशहरे के बड़े मौके पर सिनेमाघरों में लाने जा रहे हैं। हमारे सपनों की रफ्तार अब पूरी तेजी से आगे बढ़ रही है, और जल्द ही दर्शक इसे बड़े पर्दे पर देख पाएंगे। 'रफ्तार' में राजकुमार राव के साथ कीर्ति सुरेश, अनुराग ठाकुर, रोहन वर्मा, तान्या मानिकतला और रजत कपूर भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का निर्माण पत्रलेखा ने अपने बैनर काम्पा फिल्म के तहत किया है। यह फिल्म अब 16 अक्टूबर 2026 को दशहरा वीकेंड पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

डीपफेक का शिकार बनीं 'कांतारा' एक्ट्रेस

स्वीमिंग पूल फोटो-वीडियो पर दी चेतावनी

ऐश्वर्या, दीपिका, रश्मिका मंदाना और आलिया भट्ट के बाद अब 'कांतारा चैप्टर 1' की एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना भी डीपफेक का शिकार बनी हैं। एक AI जेनरेटेड स्वीमिंग पूल वीडियो खूब सुर्कलेट हो रहा है, जिसको लेकर रूक्मणि बसंत ने कड़ी चेतावनी जारी की है।

दिल्ली वालों ने अनुपम खेर पर लुटाया प्यार

● 'जाने पहचाने अनजाने' नाटक के लिए दिया डबल स्टैंडिंग ओवेशन

अनुपम खेर ने अपनी अभिनय यात्रा थिएटर से शुरू की। अभिनय की बारीकी उन्होंने एनएसडी से सीखीं। फिल्मों में शानदार काम करने और अच्छा मुकाम हासिल करने के बावजूद उन्होंने थिएटर नहीं छोड़ा। आज भी वे रंगमंच की दुनिया से जुड़े हैं। अपने नाटक 'जाने पहचाने अनजाने' के सिलसिले में इन दिनों ने दिल्ली आए हैं, जहां उन्हें दर्शकों से खूब प्यार मिला है। अभिनेता ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए खुशी साझा की है।

नाटक देखने उमड़ी भीड़

दिल्ली में अपने नाटक 'जाने पहचाने अनजाने' के लिए उन्हें लगातार दो बार स्टैंडिंग ओवेशन मिला। सोशल मीडिया पर यह जानकारी साझा करते हुए अनुपम खेर ने राजधानी के दर्शकों का आभार जताया। यह नाटक दिल्ली के कमानी ऑडिटोरियम में खचाखच भरे हॉल में शुरू हुआ था। अनुपम खेर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से कुछ झलकियां साझा की हैं।

अनुपम खेर ने लिखा, 'इस रात को यादगार बना दिया'

अनुपम खेर ने पोस्ट साझा करते हुए लिखा है, 'दो अलग-अलग शो। दो बिल्कुल अलग तरह के दर्शक, लेकिन एक जोरदार 'स्टैंडिंग ओवेशन'। यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि कल हमने 'जाने पहचाने अनजाने' के लिए दो खचाखच भरे हॉल में परफॉर्म किया। हंसी-मजाक, खामोशी, भावनाएं और आखिर में दर्शकों का प्यार...,इन सबने मिलकर इस रात को यादगार बना दिया। और यह सफर जारी है।

हाथ में हरी चूड़ी, गले में मंगलसूत्र... कंगना रनौत के नए लुक को देख हैरान हुए लोग

शादी कर ली क्या?

कंगना रनौत वैसे तो अपने बेबाक अंदाज और बयानों के लिए सुर्खियों में रहती हैं. लेकिन इस बार उनके चर्चा में आने की वजह उनका नया लुक है. बीते रोज कंगना रनौत एक घर से निकलते हुए स्पॉट हुई. इस दौरान उनके हाथ में चूड़ियां और गले में मंगलसूत्र ने लोगों का ध्यान खींच लिया.

बॉलीवुड एक्ट्रेस और पॉलिटिशियन कंगना रनौत आए दिनों अपने बेबाक बयानों के चलते सुर्खियों में बनी रहती हैं. एक बार फिर कंगना रनौत चर्चा में आ गई हैं और इसके पीछे की वजह उनका कोई बयान नहीं है, बल्कि नया लुक है. बीते दिनों कंगना रनौत की एक वीडियो सोशल मीडिया पर बहुत वायरल हो रही है. इस वीडियो ने इंटरनेट पर लोगों का ध्यान खींच लिया है. इस क्लिप में कंगना रनौत का शादीशुदा महिला वाला अवतार देखने को मिला, जिसे देख लोग तमाम तरह के अंदाजे लगाने लगे. कुछ लोगों ने तो ये तक पूछ लिया कि क्या कंगना रनौत ने गुपचुप शादी कर ली है. कंगना रनौत का वीडियो इंटरनेट पर काफी वायरल हो रहा है, जिसमें एक्ट्रेस के हाथ में चूड़ियां, गले में मंगलसूत्र और माथे पर बिंदी दिखाई दी. इसे देखकर सोशल मीडिया पर तमाम तरह के रिएक्शंस आने लगे. कुछ लोग कह रहे हैं कि क्या उन्होंने शादी कर ली, तो कुछ कह रहे हैं कि ये लुक उनकी किसी फिल्म का हिस्सा है.

पुष्पाराज के बाद अब

'शक्तिमान' बनेंगे अल्लू अर्जुन?

अल्लू अर्जुन इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'राका' पर काम कर रहे हैं, जिसे एटली डायरेक्ट कर रहे हैं. इसी बीच खबर आई है कि अल्लू अर्जुन और डायरेक्टर बेसिल जोसेफ जल्द ही एक फिल्म पर साथ काम कर सकते हैं. खबर है कि अल्लू अर्जुन और बेसिल जोसेफ की ये फिल्म 'शक्तिमान' हो सकती है. लेकिन इन खबरों पर डायरेक्टर ने सच्चाई बता दी है. 'पुष्पा 2' की शानदार सक्सेस के बाद अल्लू अर्जुन ने एक बार फिर बॉक्स ऑफिस पर धमाका करने की पूरी तैयारी कर दी है. अल्लू अर्जुन जल्द ही 'राका' में नजर आने वाले हैं, जिसे शाहरुख खान की 'जवान' के डायरेक्टर एटली कुमार ने डायरेक्ट किया है.

कान्स 2026 में ऐश्वर्या राय ने बिखेरा जलवा

आराध्या पर टिकी रह गई फैंस की नजरें

काफी लंबे वक्त के बाद ब्यूटी क्वीन ऐश्वर्या राय बच्चन कान्स फिल्म फेस्टिवल में पहुंची हैं। सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें काफी चर्चाओं में हैं। बॉलीवुड स्टार पूरी तरह बेबी पिंक रंग के आउटफिट में बड़े ही ग्रेस के साथ पोज देती नजर आईं। इस बार ऐश्वर्या के साथ फैंस की निगाहें आराध्या बच्चन पर भी टिकी रहीं। ऐश्वर्या के साथ उनकी बेटी आराध्या बच्चन भी थीं, जिन्होंने सैटिन रेड गाउन पहना था। इसके साथ एक चमकदार केप भी थी। इस आउटफिट में वह अपनी मां के लुक को खूबसूरती से कॉम्प्लिमेंट कर रही थीं। ऑनलाइन वायरल हो रही कुछ अन्य तस्वीरों में ऐश्वर्या फ्रेंच रिवेरा के बैकग्राउंड में पोज देती नजर आईं। वह पेस्टल पिंक रंग के ड्रेप्ड आउटफिट में बेहद खूबसूरत लग रही थीं, जिसमें चमकदार फूलों की कढ़ाई और फ्लोइंग केप स्लीव्स थीं। फ्रेंच रिवेरा के शानदार बैकग्राउंड में पोज देती अभिनेत्री की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर खूब चर्चाओं में हैं। हेयरस्टाइल और मेकअप के लिए उन्होंने सॉफ्ट कर्ल्स को बरकरार रखा। इसके साथ उन्होंने ग्लॉसी मेकअप और स्टेटमेंट ज्वेलरी को चुना। कान्स 2026 में अपने पहले लुक के लिए अभिनेत्री ने शानदार रॉयल ब्लू बॉडीकॉन गाउन में रेड कार्पेट पर वॉक किया। इस आउटफिट में कंधों के पास खास तरह की डिटेलिंग थी और पूरे गाउन पर चमकदार कढ़ाई की गई थी। ऐश्वर्या ने इस आउटफिट को बेहद कम एक्सेसरीज के साथ स्टाइल किया। गुरुवार रात ऐश्वर्या को अपनी बेटी आराध्या बच्चन के साथ मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट से कान्स फिल्म फेस्टिवल के लिए रवाना होते हुए देखा गया। मां-बेटी दोनों ब्लैक आउटफिट में ट्विनिंग करती नजर आईं और इसी अंदाज में वे फ्रेंच रिवेरा के लिए रवाना हुईं।

नॉर्वे शतरंज 2026: कार्लसन ने की शानदार वापसी गुकेश को हराया, प्रज्ञानानंद ने कीमर को दी मात

ओस्लो : नॉर्वे शतरंज 2026 के चौथे दौर में विश्व नंबर एक मैग्नस कार्लसन ने विश्व चैंपियन डी. गुकेश को हराकर शानदार वापसी की, जबकि भारत के आर. प्रज्ञानानंद ने विन्सेंट कीमर को पराजित कर देश को बड़ी सफलता दिलाई। उमहिला वर्ग में हालांकि भारतीय खिलाड़ियों के लिए दिन निराशाजनक रहा। कोनेरू हम्पी और दिव्या देशमुख को क्रमशः झू जिनेर और अन्ना मुजिचुक के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। सबसे ज्यादा चर्चा कार्लसन और गुकेश के मुकाबले की रही। पिछले संस्करण में गुकेश से हार के बाद कार्लसन के टेबल पर हाथ मारने की घटना काफी चर्चित रही थी। इस बार भी मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। टूर्नामेंट की खराब शुरूआत के बाद कार्लसन पर दबाव था। उन्होंने शुरूआती तीन मुकाबलों में से दो गंवाए थे, जिनमें प्रज्ञानानंद के खिलाफ क्लासिकल हार भी शामिल थी। लेकिन चौथे दौर में कार्लसन ने अनुभव का शानदार प्रदर्शन करते हुए गुकेश की अंतिम क्षणों की गलतियों का पूरा फायदा उठाया और मुकाबला जीतकर 4.5 अंक के साथ फिर से खिताबी दौड़ में वापसी कर ली। दूसरी ओर, प्रज्ञानानंद ने क्लासिकल मुकाबले में जीत की स्थिति गंवा दी थी, लेकिन आमार्गेडन टाईब्रेक में आक्रामक खेल दिखाते हुए विन्सेंट कीमर को मात दी। इस जीत के साथ वह अंक तालिका में अलीरेजा फिरोजा के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच गए। फिरोजा को इस दौर में वेस्ली सो ने हराया। महिला वर्ग में तीनों क्लासिकल मुकाबले ड्रॉ रहे। इसके बाद आमार्गेडन में कजाखस्तान की बिबिसारा अस्साउबायेवा ने विश्व चैंपियन जू वेनजुन को हराकर बड़ा उलटफेर किया। कोनेरू हम्पी का खराब प्रदर्शन जारी रहा और क्लासिकल ड्रॉ के बाद टाईब्रेक में झू जिनेर ने उन्हें पराजित कर दिया। वहीं दिव्या देशमुख को अन्ना मुजिचुक के खिलाफ हार झेलनी पड़ी। अब टूर्नामेंट में आज विश्राम दिवस रहेगा और मुकाबले शनिवार से फिर शुरू होंगे।

आरसीबी लगातार दूसरे आईपीएल सीजन के फाइनल में, गुजरात को 92 रन से हराकर रचा इतिहास

संवाददाता

धर्मशाला : रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लगातार दूसरे सीजन इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के फाइनल में जगह बना ली है। क्वालिफायर-1 मुकाबले में बेंगलुरु ने गुजरात टाइटंस (जीटी) को 92 रन के बड़े अंतर से हराकर खिताबी मुकाबले का टिकट हासिल किया। टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए बेंगलुरु ने निर्धारित 20 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर 254 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। टीम की ओर से कप्तान रजत पाटीदार ने विस्फोटक बल्लेबाजी करते हुए 33 गेंदों पर नाबाद 93 रन बनाए। उनकी पारी में नौ छक्के और पांच चौके शामिल रहे। इसके अलावा विराट कोहली और क्रुणाल पांड्या ने 43-43 रन का योगदान दिया। गुजरात की ओर से कगिसो रबाडा और जेसन होल्डर ने दो-दो विकेट लिए, लेकिन वे बेंगलुरु के बल्लेबाजों को बड़े स्कोर से रोकने में सफल नहीं हो सके। लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात टाइटंस की टीम दबाव में नजर आई और 19.3 ओवर में 162 रन पर सिमट गई। बेंगलुरु के गेंदबाजों ने नियमित अंतराल पर विकेट लेकर मैच को पूरी तरह एकतरफा बना दिया। इस जीत के साथ बेंगलुरु ने एक और रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। टीम ने आईपीएल प्लेऑफ और नॉकआउट मुकाबलों के इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर बनाया। इससे पहले यह रिकॉर्ड गुजरात के नाम था, जिसने 2023 के क्वालिफायर-2 में मुंबई के खिलाफ 233 रन बनाए थे। अब गुजरात के पास फाइनल में पहुंचने का एक और मौका रहेगा।

किसानों के मसीहा थे चौधरी चरण सिंह : मुख्यमंत्री योगी

✔ मुख्यमंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री ह्यभारत रत्नह्ल चौधरी चरण सिंह की पुण्यतिथि पर अर्पित की श्रद्धांजलि

एजेंसी

लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्व प्रधानमंत्री ह्यभारत रत्नह्ल चौधरी चरण सिंह की पुण्यतिथि पर शुक्रवार को उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने विधान भवन स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्पार्चन किया। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी चरण सिंह को भारत मां का महान सपूत और किसानों का मसीहा बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि चौधरी चरण सिंह का जन्म 23 दिसंबर 1902 को उत्तर प्रदेश में हुआ था। वह देश के स्वाधीनता आंदोलन से जुड़े थे। देश में कृषि, राजस्व के क्षेत्र में तमाम रिफॉर्म का श्रेय उन्हें जाता है। उनका स्पष्ट मत था कि देश के विकास का रास्ता गांव, खेत व खलिहानों से होकर जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान विकास के एजेंडे और सरकार की प्राथमिकता का हिस्सा होना चाहिए। शासन की योजनाएं किसानों को ध्यान में रखकर तैयार की जानी चाहिए। चौधरी चरण सिंह को देशहित में किए गए कार्यों को ध्यान में रखते हुए उन्हें भारत रत्न की उपाधि से भी सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार चौधरी चरण सिंह की स्मृतियों को जीवंत बनाए रखने के लिए किसानों के हित से जुड़े अनेक कार्यक्रम चला रही है। इसमें लखनऊ में चौधरी चरण सिंह सीड पार्क का निर्माण भी महत्वपूर्ण है। देश के प्रमुख राजनेता होने के साथ ही उन्होंने देश और समाज के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया था। 29 मई 1987 को उनका देहावसान हुआ। इस दौरान कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, राज्यमंत्री केपी मलिक, महापौर सुषमा खर्कवाल, राज्यसभा सांसद ब्रजलाल, विधायक नीरज बोरा, अमरेश कुमार, विधान परिषद सदस्य लालजी प्रसाद निर्मल, रामचंद्र प्रधान, उमेश द्विवेदी आदि मौजूद रहे।

राजस्थान में आज से गर्मी और लू से राहत के आसार, कई जिलों में बारिश-आंधी का ऑरेंज अलर्ट

जयपुर : राजस्थान में भीषण गर्मी और हीटवेव से परेशान लोगों को आज से राहत मिलने की संभावना है। मौसम विभाग ने उत्तर-पूर्वी राजस्थान के कई जिलों में तेज अंधड़, बारिश और ओलावृष्टि को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टर्बेंस) के असर से प्रदेश में मौसम का मिजाज बदलेगा और यह सिस्टम एक जून तक सक्रिय रहेगा। मौसम विभाग ने आज 12 जिलों में बारिश और तेज आंधी चलने की संभावना जताई है। पिछले कुछ दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी के बीच इस बदलाव से तापमान में गिरावट आ सकती है और लू का असर कम होने के आसार हैं। गुरुवार को राजधानी जयपुर इस सीजन का सबसे गर्म शहरों में शामिल रहा। यहां अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। वहीं श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, झुंझुनूं, अलवर और चूरू के कई इलाकों में दोपहर बाद मौसम बदला और बारिश के साथ ओलावृष्टि हुई। प्रदेश में पिछले 24 घंटे के दौरान सबसे अधिक तापमान श्रीगंगानगर में 47.1 डिग्री सेल्सियस मापा गया। इसके अलावा चूरू में 46.5, कोटा और पिलानी में 46.4, जैसलमेर, अलवर और फलोदी में 46, बीकानेर और फतेहपुर में 45.3, दौसा में 44.8 और करौली में 44.3 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा।

प्रेम प्रसंग में हाईवोल्टेज ड्रामा : शादी की जिद में मोबाइल टावर पर चढ़ी युवती, घंटों चला हंगामा

एजेंसी

सीवान : जिले के गोरेयाकोठी प्रखंड के बरहोगाकोठी गांव में शुक्रवार की सुबह प्रेम प्रसंग को लेकर उस समय हाईवोल्टेज ड्रामा शुरू हो गया, जब एक युवती अचानक गांव स्थित मोबाइल टावर पर चढ़ गई। युवती को टावर पर चढ़ा देख गांव में अफरा-तफरी मच गई और मौके पर देखते ही देखते ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई। सूचना मिलने पर जामो थाना पुलिस मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद युवती को सुरक्षित नीचे उतारा गया। ग्रामीणों के अनुसार युवती गांव के ही एक युवक से प्रेम करती थी। दोनों के बीच लंबे समय से प्रेम संबंध चल रहा था, लेकिन शादी को लेकर युवक के परिजन तैयार नहीं थे। इसी बात से नाराज होकर युवती ने शुक्रवार की सुबह मोबाइल टावर पर चढ़कर हंगामा शुरू कर दिया। युवती को टावर पर चढ़ते देख गांव में हड़कंप मच गया। लोग अनहोनी की आशंका से सहम गए। कुछ ग्रामीण युवती को नीचे उतरने की अपील करते रहे, जबकि कई लोग घटना का वीडियो बनाने में जुटे रहे। सूचना मिलते ही जामो थाना पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों के सहयोग से युवती को समझाने का प्रयास शुरू किया गया। करीब घंटों चले समझाने-बुझाने के बाद युवती नीचे उतरने को तैयार हुई। इसके बाद पुलिस ने सावधानी के साथ उसे सुरक्षित नीचे उतार लिया। घटना के दौरान पूरे गांव में तनावपूर्ण माहौल बना रहा। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते युवती को नहीं समझाया जाता तो बड़ा हादसा हो सकता था। वहीं सूत्रों की मानें तो घटना के बाद युवक के परिजन घर बंद कर फरार हो गए हैं।

पुलिस युवती को थाना ले जाकर पूछताछ कर रही है। साथ ही पूरे मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि मामला केवल प्रेम प्रसंग का है या इसके पीछे कोई और वजह भी है। घटना को लेकर पूरे इलाके में दिनभर चर्चा का माहौल बना रहा।

नेपाल में चीनी कंपनी के खिलाफ लोगों का फूटा गुस्सा, सड़क निर्माण में देरी पर पूर्व-पश्चिम राजमार्ग जाम

एजेंसी

काठमांडू : नेपाल के गोलबजार नगरपालिका में स्थानीय लोगों ने चीनी कंपनी द्वारा सड़क निर्माण में की जा रही भारी देरी के विरोध में पूर्व-पश्चिम राजमार्ग जाम कर दिया। कंचनपुरझ्रकमला सड़क विस्तार परियोजना में चीनी ठेकेदार कंपनी के सुस्त कामकाज को लेकर लोगों ने प्रदर्शन किया और चीनी निर्माण कंपनी के खिलाफ नाराजगी जताई। स्थानीय नागरिकों, व्यवसायियों और नेताओं ने शुक्रवार सुबह करीब डेढ़ घंटे तक राजमार्ग अवरुद्ध रखा। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि ह्यचाइना रेलवे नं. 2 इंजीनियरिंग ग्रुपह्ल को ठेका मिले लगभग सात वर्ष बीत चुके हैं लेकिन अब तक सड़क निर्माण पूरा नहीं हो सका है, जिससे आम लोगों को रोजाना भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। स्थानीय निवासी दिनेश नायक ने बताया कि हल्की बारिश होते ही सड़क कीचड़ में बदल जाती है और आवागमन पूरी तरह ठप हो जाता है। उन्होंने कहा कि छात्र स्कूल नहीं जा पा रहे हैं तथा गंदे पानी और कीचड़ के कारण त्वचा रोग समेत कई बीमारियां बढ़ रही हैं। स्थानीय नेता प्रमेश्वर साह के अनुसार आंदोलन के बाद चीनी कंपनी के प्रतिनिधियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ समस्या समाधान को लेकर बैठक करने पर सहमति बनी, जिसके बाद राजमार्ग खोला गया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि बैठक से संतोषजनक समाधान नहीं निकला तो चीनी कंपनी के खिलाफ आंदोलन को और तेज किया जाएगा। पूर्व-पश्चिम राजमार्ग के अंतर्गत लहान, गोलबजार और मिचैर्या जैसे बाजार क्षेत्रों में सड़क निर्माण अधूरा रहने से लोगों को लंबे समय से कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) की ऋण सहायता से बन रही 86.83 किलोमीटर लंबी कंचनपुरझ्रकमला सड़क परियोजना छह वर्ष बीत जाने के बाद भी अधूरी है। नेपाल सरकार और चीनी निर्माण कंपनी के बीच मई २०२० को हुए समझौते के अनुसार परियोजना नवंबर २०२३ तक पूरी हो जानी चाहिए थी। हालांकि चीनी निर्माण कंपनी की धीमी कार्यशैली, वित्तीय संकट, कोरोना महामारी, पेड़ कटान में देरी और बिजली के खंभे हटाने का काम समय पर नहीं होने के कारण परियोजना लगातार पीछे खिसकती रही।

हिमाचल प्रदेश के जंगल धधके, 43 दिनों में 258 आग की घटनाएं, हजारों हेक्टेयर वन भूमि राख

एजेंसी

शिमला : हिमाचल प्रदेश के पहाड़ इन दिनों सिर्फ गर्मी से नहीं तप रहे, जंगलों में भड़कती आग से भी झुलस रहे हैं। देवदार और चीड़ के जंगलों से उठता धुआं अब कई इलाकों में रोज का दृश्य बन चुका है। हिल स्टेशन शिमला से लेकर मंडी, नाहन, धर्मशाला और कसौली तक जंगलों में आग ने ऐसा कहर बरपाया है कि कई जगहों पर हालात संभालने के लिए सेना तक को मोर्चा संभालना पड़ा। राज्य में 15 अप्रैल से शुरू हुए वन अग्निकांड सीजन के सिर्फ 43 दिनों में जंगलों में आग लगने की 258 घटनाएं सामने आई हैं। वन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक पिछले साल इसी अवधि में यह संख्या करीब 111 थी। यानी इस बार आग की घटनाएं दोगुने से भी ज्यादा हो चुकी हैं। आग से अब तक करीब 3310 हेक्टेयर वन भूमि प्रभावित हुई है। इसमें 2830 हेक्टेयर से ज्यादा प्राकृतिक वन क्षेत्र शामिल है। विभाग ने लगभग 81 लाख रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया है। हाल ही में सोलन जिला के पर्यटन स्थल कसौली क्षेत्र के जंगलों में लगी भीषण आग ने प्रशासन और वन विभाग की सबसे बड़ी परीक्षा ली। तेज हवाओं और सूखी वनस्पति के कारण आग तेजी से फैलती चली गई और कई हेक्टेयर वन भूमि इसकी चपेट में आ गई। हालात इतने गंभीर हो गए कि सेना की मदद लेनी पड़ी। आग पर काबू पाने के लिए हेलीकॉप्टर के जरिए आसमान से पानी बरसाया गया। सोलन में जंगलों की आग का असर कालका-शिमला रेललाइन पर भी देखने को मिला। सनवारा के पास रेलवे ट्रैक के आसपास आग फैलने के कारण दो ट्रेनों को करीब ढाई घंटे तक रोकना पड़ा। वहीं कोटखाई में जंगल की आग से काली माता मंदिर जलकर राख हो गया। वन विभाग के मुताबिक सबसे ज्यादा 83 मामले मंडी वन सर्कल में सामने आए हैं। इसके बाद धर्मशाला में 59 और नाहन में 52 घटनाएं दर्ज हुई हैं। शिमला, सोलन, हमीरपुर और चंबा जैसे क्षेत्रों में भी लगातार जंगल जल रहे हैं। राजधानी शिमला के कच्ची घाटी, झंझीडी और टूटीकंडी क्षेत्रों में बीते दिनों आग लगी, जबकि ओल्ड बैरियर के पास आग मनोरोग अस्पताल के गेट तक पहुंच गई थी। दमकल और वन विभाग की टीमों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग को अस्पताल तक पहुंचने से रोका।

अग्निशमन विभाग के अनुसार मार्च और अप्रैल 2026 के दौरान प्रदेश में आग लगने की कुल 592 घटनाएं दर्ज हुईं।

नेपाल के इतिहास में पहली बार गणतंत्र दिवस समारोह में प्रधानमंत्री का संबोधन नहीं

एजेंसी

काठमांडू : नेपाल आज सैनिक मंच टुँडिखेल में विशेष समारोह के साथ गणतंत्र दिवस मना रहा है लेकिन इस बार का आयोजन एक ऐतिहासिक बदलाव के कारण खास चर्चा में है। नेपाल के गणतंत्र इतिहास में यह पहली बार है जब प्रधानमंत्री ने समारोह को संबोधित नहीं किया। पिछले वर्षों में गणतंत्र दिवस समारोह को संबोधित करने की परंपरा प्रधानमंत्री की रही है लेकिन इस बार प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ने मंत्रिपरिषद से निर्णय कराकर राष्ट्रपति से समारोह को संबोधित करने का औपचारिक अनुरोध किया। इसके लिए राष्ट्रपति कार्यालय को पत्र भी भेजा गया था। सरकारी निर्णय के अनुसार अब से गणतंत्र दिवस समारोह को राष्ट्रपति संबोधित करेंगे। इसी नई व्यवस्था के तहत इस वर्ष भी गणतंत्र दिवस समारोह में राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल ने देश को संबोधित किया। टुँडिखेल में आयोजित विशेष समारोह में राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मंत्रिपरिषद के सदस्य, सुरक्षा निकायों के प्रमुख, कूटनीतिक प्रतिनिधि तथा विभिन्न विशिष्ट व्यक्तित्वों की सहभागिता रही। समारोह में नेपाली सेना, नेपाल प्रहरी और सशस्त्र प्रहरी बल द्वारा विशेष परेड तथा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गई। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार गणतंत्र दिवस समारोह में प्रधानमंत्री की जगह राष्ट्रपति का संबोधन करवाने का निर्णय नेपाल की संवैधानिक और औपचारिक परंपराओं में महत्वपूर्ण बदलाव माना जा रहा है। इसे राज्य प्रमुख की भूमिका को अधिक प्रमुखता देने की कोशिश के रूप में भी देखा जा रहा है।

सराफा बाजार में जोरदार गिरावट, सोना और चांदी की फीकी पड़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली : घरेलू सराफा बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। सोने की कीमत में आई कमजोरी के कारण चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर हिस्सों में आज शुरूआती कारोबार के दौरान ये चमकीली धातु आज 2,050 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,230 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ती हो गई है। वहीं, चेन्नई में सोने की कीमत में शुरूआती कारोबार के दौरान 1,500 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,640 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है। सोना की तरह चांदी भी आज 10 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ती हो गई है। भाव में आई गिरावट के कारण देश के सराफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,56,050 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,58,170 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं, 22 कैरेट सोना आज 1,43,040 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,44,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसी तरह, चांदी के भाव में आग कमजोरी के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सराफा बाजार में आज 2,74,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,56,200 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,43,190 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,56,050 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,56,100 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,43,090 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,58,170 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,44,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,56,050 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,56,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,43,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,56,200 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,56,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,43,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,56,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,43,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सराफा बाजार में भी आज सोने के भाव में जोरदार कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,56,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सराफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,43,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज IN ब्रीफ

पुलिस मुठभेड़ में हिस्ट्रीशीटर बदमाश के पैर में लगी गोली,गिरफ्तार

फतेहपुर : उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में शुक्रवार बीती रात कल्यानपुर थाना के ग्राम भाऊपुर मोड़ के पास पुलिस मुठभेड़ के दौरान एक हिस्ट्रीशीटर बदमाश के पैर में गोली लगने से घायल हो गया। घायल अभियुक्त को पुलिस ने तत्काल गिरफ्तार कर अस्पताल भर्ती कराया है। घायल हिस्ट्रीशीटर बदमाश की पहचान अलीराजा पुत्र मोहम्मद हनीफ निवासी चौडगरा थाना कल्यानपुर के रूप में हुई है । जो थाना कल्यानपुर जनपद फतेहपुर से संबंधित वांछित हिस्ट्रीशीटर है। पुलिस ने अपनी निगरानी में घायल अभियुक्त को उपचार के लिए अस्पताल भेजा है। गिरफ्तार घायल अभियुक्त के कब्जे से एक अवैध तमंचा 315 बोर, 2 खोखा कारतूस, चोरी किया हुआ कॉपर का तार 9 मीटर व एक मोटर साइकिल बरामद की गई। क्षेत्राधिकारी बिन्दकी सुशील कुमार बाबू ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त के आपराधिक इतिहास के संबंध में दस्तावेज खंगाले जा रहे हैं। अब तक प्राप्त जानकारी के अनुसार उसके विरुद्ध फतेहपुर जिले सहित अन्य जनपद के थानों पर एक दर्जन से ज्यादा मुकदमे दर्ज हैं। थाना कल्यानपुर पुलिस द्वारा आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

रायपुर के कृषि विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय राष्ट्रीय आम महोत्सव आज से

रायपुर : राजधानी रायपुर के इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय परिसर में आज शुक्रवार से अगले तीन दिनों तक आमों की बहार रहेगी और समूचा माहौल आममय रहेगा। इस दौरान कृषि विशेषज्ञ किसानों को उन्नत खेती, पौध संरक्षण और बेहतर उत्पादन तकनीकों की जानकारी देंगे। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर तथा संचालनालय उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी, छत्तीसगढ़ शासन तथा प्रकृति की ओर सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में आज से 31 मई तक तीन दिवसीय राष्ट्रीय आम महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। कृषि महाविद्यालय परिसर में आयोजित राष्ट्रीय आम महोत्सव 2026 का शुभारंभ राज्यपाल रमेन डेका आज अपरान्ह 4 बजे करेंगे। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय करेंगे। कृषि मंत्री रामविचार नेताम तथा रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल अति विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू, धरसींवा विधायक अनुज शर्मा, छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम के अध्यक्ष चन्द्रहास चन्द्राकर, छत्तीसगढ़ राज्य कृषक कल्याण परिषद के अध्यक्ष सुरेश चंन्द्रवंशी तथा इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। राष्ट्रीय आम महोत्सव में आम की 250 से अधिक किस्मों का प्रदर्शन किया जायेगा। यहां आम की उन्नत किस्मों के पौधे तथा फल विक्रय हेतु आमजनों के लिए उपलब्ध रहेंगे।

पश्चिम बंगाल में घुसपैठियों के लिए 11 जगहों पर बने होल्डिंग सेंटर, सबसे ज्यादा बंदी बशीरहाट में

कोलकाता : पश्चिम बंगाल सरकार ने बांग्लादेशी या रोहिंग्या होने के संदेह में पकड़े गए लोगों को रखने के लिए राज्य के विभिन्न हिस्सों में होल्डिंग सेंटर शुरू कर दिए हैं। राज्य प्रशासन ने इन शिविरों की संख्या और वहां रखे गए लोगों का विस्तृत ब्यौरा जारी किया। शुक्रवार सुबह जारी प्रशासन के बयान के अनुसार, अभी तक राज्य में कुल 11 स्थानों पर होल्डिंग सेंटर बनाए गए हैं। इनमें कुछ शिविर पुलिस जिला स्तर पर और कुछ प्रशासनिक जिला स्तर पर संचालित किए जा रहे हैं। फिलहाल बारुईपुर, सुंदरबन, बसिरहाट, बनगांव, बारासात, मुर्शिदाबाद, जंगीपुर और कृष्णनगर पुलिस जिलों में ऐसे केंद्र खोले गए हैं। इसके अलावा मालदा, कूचबिहार और दक्षिण दिनाजपुर जिलों में भी होल्डिंग सेंटर बनाए गए हैं। सबसे अधिक होल्डिंग सेंटर बसिरहाट पुलिस जिले में बनाए गए हैं, जहां कुल तीन शिविर संचालित हो रहे हैं। प्रशासन का कहना है कि बांग्लादेशी या रोहिंग्या होने के संदेह में पकड़े गए लोगों की संख्या भी सबसे अधिक इसी इलाके में है। बाकी सभी जिलों में एक-एक केंद्र बनाया गया है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, राज्य भर के होल्डिंग सेंटरों में फिलहाल कुल 335 लोगों को रखा गया है। इनमें 148 पुरुष, 99 महिलाएं और 88 बच्चे शामिल हैं। वहीं, मुर्शिदाबाद पुलिस जिले के होल्डिंग सेंटर में 19 लोगों को रखा गया है। अन्य सभी केंद्रों में बंदियों की संख्या 10 से कम बताई गई है। इस बीच दक्षिण दिनाजपुर जिले के तपन क्षेत्र स्थित रामपुर में प्रशासनिक उपयोग के लिए कर्मतीर्थ भवन को भी होल्डिंग सेंटर में बदला जा रहा है, जहां तेजी से काम चल रहा है। उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने निर्देश दिया है कि पश्चिम बंगाल में पकड़े जाने वाले बांग्लादेशी या अन्य देशों के लोगों को गिरफ्तार नहीं किया जाएगा, बल्कि सीधे होल्डिंग सेंटर में रखकर उन्हें बीएसएफ को सौंप दिया जाएगा ताकि उन्हें उनके देश डिपोर्ट किया जा सके।

घर के बाहर बैठी युवती पर ताबड़तोड़ फायरिंग, जांघ में लगी गोली

सीवान : जिले में दरौली थाना क्षेत्र के दोन बुजुर्ग गांव में गुरुवार की देर रात अपराधियों ने घर के बाहर बैठी एक युवती को गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। बाइक सवार दो बदमाशों द्वारा की गई अंधाधुंध फायरिंग से पूरे गांव में दहशत फैल गई। घायल युवती का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है, जबकि पुलिस मामले की हर एंगल से जांच में जुट गई है। घायल युवती की पहचान स्वर्गीय आनंद बिहारी सिंह की 24 वर्षीय पुत्री काजल कुमारी के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि काजल अपनी मां के साथ रोज की तरह घर के बाहर बैठी थी। इसी दौरान बाइक पर सवार दो युवक पहुंचे और पिंटू पाण्डेय का घर पूछने लगे। काजल ने बताया कि गांव में इस नाम का कोई व्यक्ति नहीं रहता है। इसी बात के बाद दोनों युवकों ने अचानक हथियार निकाल लिया और ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। फायरिंग होते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई। जान बचाने के लिए काजल अपनी मां के साथ घर की ओर भागी। घर के अंदर पहुंचने पर उसे महसूस हुआ कि उसके पैर के पास से खून बह रहा है। परिजन आनन-फानन में उसे गांव के एक निजी क्लिनिक ले गए, जहां डॉक्टरों ने जांघ के पास गोली लगने की पुष्टि की। हालत गंभीर होने पर पुलिस की मदद से पहले दरौली स्वास्थ्य केंद्र और फिर सदर अस्पताल सीवान रेफर किया गया। घटना के बाद पुलिस ने मौके से एक खोखा बरामद किया है। वहीं घायल युवती की बहन अंजली ने पड़ोस की एक युवती पर गंभीर आरोप लगाए हैं। अंजली का कहना है कि उनके भाई की हाल ही में पटना सचिवालय में सरकारी नौकरी लगी है। नौकरी लगने के बाद से पड़ोस की एक लड़की जबरन शादी का दबाव बना रही थी। परिवार द्वारा विरोध करने पर वह लगातार धमकी दे रही थी। परिजनों का आरोप है कि उसी युवती ने बदमाशों से गोली चलवाकर पूरे हमले की साजिश रची है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक पूरन कुमार झा खुद सदर अस्पताल पहुंचे और घायल युवती से पूछताछ कर बयान दर्ज किया। एसपी ने बताया कि परिजनों द्वारा एक युवती पर साजिश रचने का आरोप लगाया गया है। पुलिस मोबाइल सर्विलांस और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच कर रही है। फिलहाल घायल युवती की स्थिति सामान्य बताई जा रही है। पुलिस ने जल्द ही पूरे मामले का खुलासा करने का दावा किया है।

न्यूज IN ब्रीफ

गढ़वा के नये उपायुक्त पशुपतिनाथ मिश्रा के योगदान से भरपूर विकास गति दिखने लगा है

बिनय मिश्रा : गढ़वा के 35 वे उपायुक्त के रूप में पशुपतिनाथ मिश्रा के योगदान देने के पश्चात से जिला में बेहतर और भरपूर विकास गति जिला की पहचान बनने लगी है इसकी प्रमुख वजह यह है कि श्री मिश्रा उपायुक्त से पूर्व इस जिला के उप विकास आयुक्त भी रह चुके हैं जिसके फल स्वरुप जिला के विकास को धरातल पर उतारने के साथ-साथ पूरे जिला में विकास कार्यों को बेहतर विकास गति देने में भी सफल रहे और इसी का यह सार्थक परिणाम है कि उन्हें उनके बेहतर और उत्कृष्ट कार्य दक्षता और उपलब्धि तथा अनुभव को देखते हुए राज्य सरकार ने गढ़वा जिला का उपयुक्त का दायित्व सौंपा है गढ़वा जिला के 35 वे उपायुक्त के रूप में प्रभार ग्रहण करने के साथ ही पूरे जिला में विकास कार्यों के लिए जिला प्रशासन के साथ बेहतर समन्वय और कटिबद्धता के साथ उपायुक्त के द्वारा विकास कार्यों को भरपूर विकास गति देने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है जिससे गढ़वा जिला वासियों में हर्ष और उमंग देखी जा रही है उपायुक्त श्री मिश्रा के द्वारा जिला वासियों की बातों कठिनाइयों और समस्याओं को जानने के साथ-साथ तत्क्षण उसके समाधान के लिए भी निरंतर गंभीर दिखाई दे रहे हैं यही नहीं जनता दरबार के माध्यम से भी लोगों की पीड़ा और कष्ट को जानने का प्रयासभी काफी सराहनीय है समस्याओं की जानकारी और तत्सम निष्पादन के लिए किया जा रहे कारगर प्रयास निश्चित तौर पर उपायुक्त के बेहतर कार्य का ही परिणाम है ऐसे उपायुक्त से निश्चित तौर पर जिला और राज्य दोनों गौरवान्वित होते हैं तथा ऐसे उपायुक्त पर हमें गर्व है।

जमशेदपुर के अनख को मिला पॉवरलिफ्टिंग में तीन मेडल

जमशेदपुर : लौहनगरी के सोनारी निवासी अनख राज सिंह ने आंध्र प्रदेश के केरल (विजयवाड़ा) में आयोजित 15वीं राष्ट्रीय पॉवरलिफ्टिंग प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर तीन मेडल अपने नाम किए हैं। उन्होंने डेडलिफ्ट में 242 किलोग्राम उठाकर स्वर्ण पदक, स्क्वाट्स में 225 किलोग्राम के साथ रजत तथा कुल 595 किलोग्राम उठाकर समग्र में भी रजत पदक हासिल किया। सेंट्रल गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (सीजीपीसी) कार्यालय में अनख राज का समाज की ओर से गर्मजोशी से स्वागत किया गया। सीजीपीसी पदाधिकारियों ने उनका हौसला बढ़ाते हुए कहा कि वे खेल को आगे भी जारी रखें। कमेटी ने आश्वासन दिया कि किसी भी प्रकार की सहायता के लिए वे उनके साथ खड़ी रहेगी।

रेल जीएम से टाटानगर में खेल मैदान की मांग

जमशेदपुर : टाटानगर में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार करने व खेल को प्रोत्साहन देने के लिए एक सुविधायुक्त मैदान बनना चाहिए। जिससे रेलकर्मियों के बच्चों के प्रतिभा का निखार हो। रेलवे कॉलोनी में एक स्विमिंग पूल की आवश्यकता है। जोन ओबीसी रेलवे कर्मचारी संघ के महासचिव कृष्ण मोहन प्रसाद व टाटानगर के शाखा सचिव मुद्रिका प्रसाद ने यह मुद्दा उठाया। दक्षिण पूर्व जोन के रेल जीएम अनिल कुमार जैन को सौंपे ज्ञापन में भी कर्मचारी संघ ने यह मांग रखी है।

संजय सिंह की याद में ग्रामीणों ने किया पौधारोपण

अलकडीहा : गोलमारा के संजय सिंह के श्राद्ध कर्म पर गुरुवार को जुटे ग्रामीणों ने उनकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी और याद में एक पौधा लगाया। मौके पर उनके पुत्र गौरव सिंह, दिलखुश सिंह, एक पुत्री, छोटे भाई असित कुमार सिंह, धनबाद बोकारो क्षेत्रीय राजपूत समाज के केंद्रीय महामंत्री शिरीष कुमार सिंह, पूर्व केंद्रीय महामंत्री जीतलाल सिंह, जोन अध्यक्ष प्रभास प्रसाद सिंह, जोन एक अध्यक्ष निपु सिंह, चांदकुईया के पूर्व मुखिया मनोज कुमार सिंह, किशोर कुमार सिंह, नरेश प्रसाद सिंह, बैजनाथ सिंह, महेंद्र सिंह, किशन सिंह और बलराम सिंह आदि मौजूद थे।

सेमेस्टर 1 से 4 का परीक्षा कार्यक्रम जारी, 24 जून से परीक्षा

जमशेदपुर : कोल्हान विश्वविद्यालय चाईबासा की ओर से दूसरे जेनेरिक इलेक्टिव स्पेशल परीक्षा का संशोधित कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। इसमें सीबीसीएस सेमेस्टर 1 से 4 (2025) की परीक्षा शामिल है। सत्र 2017-20, 2018-21, 2019-22, 2020-23 और 2021-24 के अभ्यर्थी इस परीक्षा में बैठेंगे। परीक्षा दो पालियों में आयोजित होगी। पहली पाली सुबह 10 बजे से 1 बजे तक तथा दूसरी पाली दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक होगी। परीक्षा 24 जून से शुरू होकर 14 जुलाई तक चलेगी। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि यदि एडमिट कार्ड में विषय संबंधी कोई गड़बड़ी हो तो परीक्षा शुरू होने से पहले विश्वविद्यालय परीक्षा विभाग से सुधार करा लें। इसके लिए प्राचार्य के हस्ताक्षर भी जरूरी हैं। अभ्यर्थी अपने कॉलेज से परीक्षा कार्यक्रम की पुष्टि भी अवश्य कर लें।

कोल्हान विश्वविद्यालय में जल्द लागू होगा एक वर्षीय पीजी

जमशेदपुर : नई शिक्षा नीति के तहत कोल्हान विश्वविद्यालय में जल्द ही एक वर्षीय पीजी कोर्स शुरू किया जाएगा। इसे लेकर विश्वविद्यालय स्तर पर तैयारी शुरू कर दी गई है। वहीं, वर्ष 2026 सत्र से यूजी चौथे वर्ष का पहला बैच भी शुरू हो गया है। एक वर्षीय पीजी पाठ्यक्रम शुरू करने को लेकर सभी कॉलेजों से रिपोर्ट मांगी गई थी, जिसके बाद अब इसकी प्रक्रिया तेज कर दी गई है। यूजी को तीन वर्षीय से चार वर्षीय कोर्स बनाए जाने के बाद अब पीजी में भी बड़े बदलाव की तैयारी शुरू हो गई है। विश्वविद्यालय में पीजी के नए सिलेबस की तैयारी भी की जा रही है, जिसे जल्द ही विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा। अब तक यूजी में तीन वर्ष की पढ़ाई पूरी करने के बाद विद्यार्थियों को दो वर्षीय पीजी कोर्स करना पड़ता था, लेकिन चार वर्षीय यूजी कोर्स लागू होने के बाद विद्यार्थियों को केवल एक वर्ष का पीजी कोर्स करना होगातीन वर्षीय यूजी करने वाले विद्यार्थियों के लिए दो वर्षीय पीजी व्यवस्था फिलहाल जारी रहेगी। हालांकि, नए बदलाव लागू होने के बाद पीजी शिक्षा प्रणाली में भी व्यापक परिवर्तन देखने को मिलेगा।

भालुपानी में दो दिवसीय रोहिणी मेला सह छउ नृत्य प्रतियोगिता सम्पन्न, नृत्य पर झुमे दर्शक

छऊ नृत्य झारखंड की पहचान है,कलाकारों को हर संभव मदद की जायेगी : सुखराम उरांव

संवाददाता

बंदगांव : रोहिणी पर्व के अवसर पर भालुपानी आमबागान में दो दिवसीय मेला सह छउ नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका समापन शुक्रवार को हुआ। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रुप में विधायक सुखराम उरांव एवं , विशिष्ट अतिथि विधायक प्रतिनिधि मिथुन गागराई,मुखिया सावित्री मेलगांडी,अमर बोदरा उपस्थित थे। प्रतियोगिता में कुल दो छउ नृत्य समिति ने भाग लिया। जिसमें भालुपानी एवं बडादामुडीह छौउ नृत्य समिति शामील थें। प्रतियोगिता का शुभारंभ भालुपानी छौउ नृत्य कलाकारों द्वारा पौराणिक कथाओं पर आधारित गणेष बंदना नृत्य प्रस्तुत कर किया। जिसके उपरान्त प्रतिभगीयों ने आरती, वनदेवी, राध कृष्ण, शिकारी, शिव एवं पावर्ती आदी छऊ नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत किया गया।प्रतियोगिता में कालकारो द्वारा एक से बढ कर एक नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया। समापन समारोह को संबोधित करते हुए विधायक सुखराम उरांव ने कहा कि छऊ नृत्य झारखंड की पहचान है। छऊ नृत्य पौराणिक कथाओं पर आधारित नृत्य शैली होती है। महिषासुर मर्दनी,बाली सुग्रीव युद्ध, राम कथा,शिव लीला,गणेश बंदना छऊ नृत्य में प्रसिद्ध है। उन्होंने कहा कि छऊ कलाकारों ने झारखंड की इस गौरवशाली परंपरा को बचाये रखा है। उन्होंने कहा आज कला संस्कृति के साथ साथ समाज तथा क्षेत्र के विकास कार्य मे भी ग्रामीणों को बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेना है।उन्होंने कहा हमारा प्रयास है कि यहां के छऊ कलाकार छऊ के माध्यम से अपना कैरियर बनाएं। छऊ कलाकारों को हर संभव मदद प्रदान किया जायेगा। मिथुन गागराई ने कहा कि झारखण्ड का सांसकृति की पहचान है छउ नृत्य। ग्रामीणों के सहयोग से कला को बचाए रखने में स्थनिय कलाकारों का अहम योगदान है।मुखिया सावित्री मेलगांडी ने कहा भालुपानी में रोहिणी पर्व सैकडो वर्षों से होते आ रहा है। यह पर्व किसानो का पर्व है। यह पर्व के बाद किसान खेतो में पूजा अचर्ना कर हल जोताई तथा धान बुवाई का कार्य शुभारंभ करते है।मौके पर दोनो ही प्रतिभागियों को विधायक सुखराम उरांव द्वारा पुरस्कार प्रदान किया गया। इस मौके पर दो दिवसीय मेला का भी आयोजन किया गया । जिसमें मिठाई की दुकान एवं बच्चों के खिलौने की दुकानों में काफी भीड़ थी। कायर्क्रम को सफल बनाने में मेला समिति के सुधांशू प्रधान, शुसांक प्रधान, सिताराम मेलगांडी, नन्दलाल कर्मा, हरिष चन्द्र प्रधान,सुमंत प्रधान, हुरसिकेश प्रधान, बिष्टु प्रधान, पवित्रो प्रधान, प्रकाश प्रधान, आनंद प्रधान आदी लोगों का सराहनिय योगदान रहा। कार्यक्रम एवं मेला में सैकड़ों की संख्या में महिला पुरुष एवं बच्चे उपस्थित थे।

धारदार हथियार से पारा शिक्षक की गला रेतकर हत्या, इलाके में सनसनी

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : पलामू जिले के छतरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत पाटन रोड नगदारा के पास गुरुवार रात करीब 7 बजे एक सनसनीखेज घटना सामने आई। चिल्हो खुर्द निवासी ग्रामीण चिकित्सक एवं पारा शिक्षक उदय सिंह की अज्ञात अपराधियों ने धारदार हथियार से गला रेतकर बेरहमी से हत्या कर दी। घटना की जानकारी मिलते ही इलाके में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद छतरपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। हत्या की इस वारदात से पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है। बताया जा रहा है कि उदय सिंह क्षेत्र में ग्रामीण चिकित्सक के रूप में लोगों का इलाज करने के साथ-साथ पारा शिक्षक के रूप में भी कार्यरत थे। उनकी हत्या किन कारणों से की गई, इसका खुलासा अभी नहीं हो सका है। पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की तथा अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए छानबीन तेज कर दी है। वहीं मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

श्री श्री शीतला माता पूजा महोत्सव के तीसरे दिन सहस्रनामम पाठ का आयोजन

संवाददाता

चक्रधरपुर : चक्रधरपुर लोको कॉलोनी में आयोजित सात दिवसीय श्री श्री शीतला माता पूजा महोत्सव के तीसरे दिन शुक्रवार को भक्तिनमय वातावरण में ललिता सहस्त्रनामम पाठ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु पूजा पंडाल पहुंचे और माता की आराधना में शामिल हुए। वैदिक मंत्रोच्चार और भक्ति गीतों से पूरा क्षेत्र भक्तिामय हो उठा। महिलाओं एवं श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से ललिता सहस्त्रनामम का पाठ कर माता से सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। इस दौरान आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि

पूजा महोत्सव के दौरान प्रतिदिन विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग ले रहे हैं। वहीं देर शाम को माता की विशेष आरती की जाएगी।जिसमें श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। पूरे लोको कॉलोनी क्षेत्र में उत्सव को लेकर उत्साह और श्रद्धा का माहौल बना हुआ है।

स्वदेशी जागरण मंच के जिला विचसार वर्ग में एआई और स्वदेशी पर विचार विमर्श

जमशेदपुर : स्वदेशी जागरण मंच की जमशेदपुर महानगर इकाई के द्वारा जिला विचार वर्ग आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में क्षेत्रीय संगठक अजय उपाध्याय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत अखिल भारतीय पर्यावरण सह संयोजक बंदे शंकर जी ने किया। कार्यक्रम का विषय प्रवेश प्रांत के युवा प्रमुख पंकज कुमार सिंह ने किय। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय परिषद के सदस्य मनोज कुमार सिंह, प्रांत के विचार विभाग प्रमुख जटाशंकर पांडे, जमशेदपुर महानगर संयोजक राजपति देवी उपस्थित रहीं। विचार वर्ग में जिन विषयों पर चर्चा हुई उनमें मंच की स्थापना तथा विकास यात्रा, स्वदेशी आंदोलन, वैश्विक मुद्दे व स्वदेशी, स्वावलंबी भारत अभियान, स्वरोजगार एवं उद्यमिता, जमीन पोषण तथा प्राकृतिक खेती, आईपीआर, जीआई टैग और स्वदेशी, एआई और स्वदेशी और ऊर्जा संरक्षण मुख्य रूप से शामिल थे।

फरार अभियुक्त के घर पुलिस ने इश्तेहार चिपकाया

मधुबन : थाना कांड संख्या 02/25 के प्राथमिक अभियुक्त विजय कुमार पासवान के विरुद्ध न्यायालय धनबाद द्वारा निर्गत इश्तेहार को मधुबन पुलिस ने गुरुवार को उसके घर पर चिपका कर तामिला कराया। बताया गया कि अभियुक्त वर्तमान में फरार चल रहा है। न्यायालय के आदेश पर मधुबन थाना के सहायक अवर निरीक्षक चमन कुमार शर्मा द्वारा अभियुक्त के दरवाजे पर इश्तेहार चिपकाया गया। इश्तेहार के माध्यम से विजय कुमार पासवान को 14 जुलाई 2026 से पूर्व न्यायालय में आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया गया है।

ट्रैफिक डीएसपी ने पुराने रोपवे पुल का किया निरीक्षण

धनबाद : रांगाटांड़ चौक धनबाद के पास लोहे का टावर गिरने की घटना के बाद जिला प्रशासन सतर्क हो गया है। गुरुवार को ट्रैफिक डीएसपी रोहित कुमार साव और केंदुआडीह थाना प्रभारी प्रमोद पांडेय ने धनबाद-केंदुआ मुख्य मार्ग स्थित कुमीर्डीह व गोधर दुर्गा मंदिर के पास पुराने रोपवे पुल का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने पुल की जर्जर स्थिति और सुरक्षा पहलुओं का जायजा लिया। ब्रिटिश काल में बना यह पुल पहले बालू परिवहन के लिए उपयोग होता था, जबकि वर्तमान में बीसीसीएल कुसुंडा क्षेत्र द्वारा बिजली आपूर्ति के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। जिला प्रशासन के निर्देश पर बीसीसीएल ने पुराने पुल को हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। मौके पर डीएसपी रोहित कुमार साव ने बताया कि यह निरीक्षण सड़क सुरक्षा के दृष्टिकोण से किया जा रहा है तथा पुल की स्थिति और उससे जुड़े संभावित जोखिमों की जानकारी वरीय अधिकारियों को दी जाएगी। उन्होंने कहा कि सड़क से गुजरने वाले लोगों और वाहनों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा संबंधित विभागों के साथ समन्वय बनाकर आगे आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

आरपीएफ के सहायक कमांडेंट कल लेंगे प्रभार

जमशेदपुर : टाटानगर आरपीएफ के नए सहायक कमांडेंट प्रणव मंडल शनिवार को प्रभार संभाल सकते हैं। शुक्रवार को इर्स्टन रेलवे से प्रणव मंडल टाटानगर आकर चक्रधरपुर मंडल आरपीएफ मुख्यालय गए हैं। आकश डागर का तबादला होने के कारण तीन सप्ताह पूर्व से टाटानगर में आरपीएफ के सहायक कमांडेंट का पद रिक्त था। बताया जाता है कि, के चक्रधरपुर मंडल आरपीएफ के भी सीनियर कमांडेंट का तबादला हो गया है लेकिन नए ने प्रभार नहीं संभाला है।

बेहतर स्वास्थ्य सेवा, मानव कल्याण का एक अभिन्न अंग है : डीसी

संवाददाता

चाईबासा : पश्चिमी सिंहभूम के उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा है कि सदर अस्पताल स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में जिला का प्रमुख चेहरा है। इसलिए सभी चिकित्सक, कर्मी अपने नियत समय पर अस्पताल में उपस्थित रहकर निर्धारित कर्तव्यों का निष्ठा पूर्वक निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग की सक्रिय भागीदारी से स्वास्थ्य क्षेत्र में सशक्त सिंहभूम की परिकल्पना को साकार करना है। बेहतर स्वास्थ्य सेवा, मानव कल्याण का एक अभिन्न अंग है। हम सभी का दायित्व है कि अस्पताल आने वाले रोगियों का बेहतर माहौल के बीच इलाज किया जाए। उपायुक्त शुक्रवार सदर अस्पताल-चाईबासा में आयोजित बैठक में स्वास्थ्यकर्मियों को संबोधित कर रहे थे । इस दौरान उपायुक्त के द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर एवं सुदृढ़ बनाने के लिए आवश्यक संसाधनों की भी जानकारी प्राप्त की गई, साथ ही यह आश्वस्त किया गया जिला प्रशासन, चिकित्सक एवं कर्मियों को उचित सुरक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के दौरान किसी का कोई हस्तक्षेप ना हो, इसके लिए अस्पताल परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को भी सुदृढ़ किया जाएगा

बैठक में उपस्थित सदस्य

बैठक में सिविल सर्जन डॉ.जुझार माझी, सदर अस्पताल के अधीक्षक, सभी चिकित्सा पदाधिकारी, जीएनएम एवं वार्ड इंचार्ज मौजूद थे। स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए बैठक का आयोजन किया गया था। बैठक में उपायुक्त के द्वारा सदर अस्पताल में संधारित व्यवस्था, प्रतिनियुक्त चिकित्सक, विशेषज्ञ चिकित्सक, उपलब्ध चिकित्सा यंत्र, आधारभूत एवं मूलभूत सुविधा सहित विविध बिंदुओं पर विस्तार से समीक्षा किया गया।

उपायुक्त के निर्देश

बैठक में उपायुक्त के द्वारा निर्देश दिया गया कि कर्तव्य पर उपस्थित चिकित्सक एवं कर्मी अस्पताल आने वाले सभी रोगियों एवं उनके परिचरों से उचित व्यवहार करें। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति मनोरंजन हेतु अस्पताल नहीं आता, बल्कि रोग ग्रस्त होने के उपरांत स्वास्थ्य लाभ लेने के लिए अस्पताल आता है। ऐसे में सभी का दायित्व है कि अस्पताल आने वाले लोगों से कुशल व्यवहार करें।

स्वास्थ्य सेवाओं को रखें क्रियाशील

उपायुक्त ने सिविल सर्जन को निर्देश दिया कि अस्पताल में संधारित विभिन्न विभाग एवं उनके द्वारा रोगियों को दी जाने वाली सुविधा में कोई कमी ना हो, इसके लिए संधारित सभी स्वास्थ्य सेवाओं को क्रियाशील रखें और उपलब्ध संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल सुनिश्चित करते हुए आम जनों को इसका अधिकतम लाभ देना सुनिश्चित करें।

बल्ड बैंक का निबंधन

उपायुक्त ने बताया कि जिला प्रशासन के द्वारा सदर अस्पताल स्थित रक्त कोष के निबंधन और उचित संचालन के लिए यथोचित प्रयास किया जा रहा है, जल्द ही ब्लड बैंक का निबंधन सुनिश्चित कराते हुए इसे भी पूर्ण रूपेण क्रियाशील किया जाएगा। इसके अलावा ब्लड बैंक में ब्लड लेने हेतु आने वाले रोगियों या अन्य व्यक्तियों के लिए अलग से काउंटर की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ब्लड बैंक के भीतर अनाधिकृत प्रवेश वर्जित रहेगा।

जांच व रिपोर्ट का निर्गमन

उपायुक्त ने कहा कि सदर अस्पताल में होने वाले विभिन्न प्रकार की जांचों के लिए भी उचित व्यवस्था संधारित रहे तथा जांच रिपोर्ट उपलब्ध करवाने के लिए काउंटर की व्यवस्था रहे तथा समय अनुसार सभी जांच रिपोर्ट काउंटर पर उपलब्ध करवाया जाए, ताकि रोगियों एवं उनके परिजनों को आसानी से रिपोर्ट मिल सके।

सूचना का हो प्रदर्शन

समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने कहा कि प्रतिदिन रोस्टर वाइज चिकित्सकों की ड्यूटी रोस्टर को सदर अस्पताल में प्रदर्शित किया जाए। इसके अलावा अलग-अलग समय पर आयोजित होने वाले शिविरों के बारे में भी सूचनाएं प्रदर्शित रहे। जिस अस्पताल आने वाले लोगों को उपलब्ध डॉक्टर एवं सेवाओं की समुचित जानकारी रहे और उन्हें यत्र-तत्र परेशान ना होना पड़े।

बिजली व सीसीटीवी

उपायुक्त ने कहा कि सदर अस्पताल का कोई भी क्षेत्र अंधेरे में ना हो, इसके लिए समस्त परिसर में रोशनी की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित हो। साथ ही सुरक्षा के दृष्टिकोण से सभी सीसीटीवी का संचालन एवं आवश्यकता अनुसार सीसीटीवी का अधिष्ठापन सुनिश्चित किया जाए। इसके अलावा आप सीसीटीवी की निगरानी में है, से संबंधित सूचना भी समस्त परिसर में प्रदर्शित रहे। बिजली के लिए आपातकालीन व्यवस्था सहित बैकअप प्लान की भी व्यवस्था संधारित हो।

स्वच्छता और हरियाली का ध्यान

उपायुक्त ने बैठक में निर्देश दिया कि सदर अस्पताल का सभी वार्डों सहित समस्त परिसर स्वच्छ रहे, साथ ही शौचालय का नियमित रूप से साफ सफाई भी सुनिश्चित हो। परिसर में कहीं भी किसी भी प्रकार की गंदगी ना पहले तथा कचरे का उचित निपटान भी होते रहे। इसके अलावा छोटे-छोटे पौधों को लगाकर परिसर में हरियाली भी सुनिश्चित की जाए।